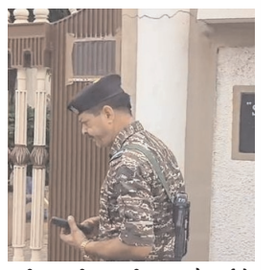
दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, बुधवार 28 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 132 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com



छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर और दुर्ग में सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ED) की कार्रवाई की खबर सामने आई है।

सुविचार

जो अपने सपनों के लिए लड़ता है, वही सच्चा विजेता होता है।

आंध्र प्रदेश तट पर चक्रवात 'अर्नब' के मद्देनजर रेलवे की तैयारी तेज

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के यानम के निकट 28 अक्टूबर को चक्रवात 'अर्नब' के संभावित दस्तक देने के मद्देनजर भारतीय रेलवे ने सुरक्षा सहित अन्य सभी प्रकार की तैयारियां तेज कर दी हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम मंडलों में सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू कर दिए गए हैं और यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। वैष्णव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि चक्रवात से निपटने के लिए रेलवे के क्षेत्रीय, मंडलीय और रेलवे बोर्ड स्तर पर नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिए गए हैं। प्रभावित हो सकने वाले क्षेत्रों में करीब 600 किलोमीटर रेलमार्ग पर चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि आपात मरम्मत और बहाली के लिए आवश्यक सामग्री से लदी राहत सामग्री वाली विशेष रेलगाड़ियां कृष्णा कैनाल, बिट्रागुंटा, मामिदिपुड़ी, विशाखापत्तनम, पलासा और पोंडुरु में तैनात की गई हैं। इसके अलावा प्रमुख जंक्शनों पर डीजल इंजन, बिजली आपूर्ति इकाइयां और एंबुलेंस तैयार रखी गई हैं। रेल मंत्री के अनुसार, संभावित नुकसान से निपटने और रेल सेवाओं को जल्द बहाल करने के लिए अर्थमूवर, पेड़ काटने वाली मशीनें और अन्य आवश्यक उपकरण भी उचित दूरी पर तैनात किए गए हैं। हवा की गति और जलस्तर की हर घंटे जांच की जा रही है तथा वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

भोजपुरी सिंगर अभिषेक सिंह के घर के बाहर हुई अंधाधुंध फायरिंग

पटना। भोजपुरी संगीत जगत से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां जाने-माने भोजपुरी गायक अभिषेक सिंह के घर के बाहर तड़के अज्ञात हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दहशत फैला दी। यह वारदात 26 अक्टूबर की सुबह करीब 4.30 बजे घटी। हमलावरों ने घर के बाहर खड़ी उनकी काली स्कॉर्पियो कार पर न केवल गोलियां चलाईं, बल्कि ईंट-पत्थर बरसाकर गाड़ी के शीशे भी चकनाचूर कर दिए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घटनास्थल से तीन खाली खोखे बरामद किए हैं और पूरे मामले की गहन तफ्तीश शुरू कर दी है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, घटना के वक्त गायक अभिषेक सिंह घर के भीतर सो रहे थे। अचानक शीशे टूटने, गाली-गलौज और गोलियों की तड़तड़ाहट सुनकर उनकी आंख खुली। जब वे बाहर निकले तो हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार हो चुके थे और बाहर खड़ी स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त थी। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने चार से पांच राउंड फायरिंग की। गनीमत रही कि उस समय गाड़ी में या उसके आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। पुलिस ने मौके से तीन खोखे जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिए हैं। इस सनसनीखेज वारदात के बाद अभिषेक सिंह ने भोजपुरी के ही अन्य चर्चित गायक शिवकुमार विक्कू पर सीधे तौर पर साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है।

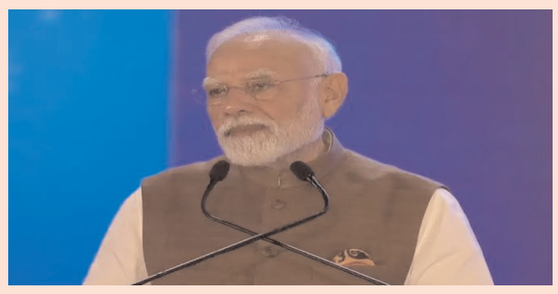
व्यक्तिगत हमले करना और विषैली राजनीति देशहित में नहीं है : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी को लेकर प्रतिक्रिया दी है। बसपा प्रमुख ने बिना नाम लिए कांग्रेस को नसीहत देते हुए कहा कि भारतीय राजनीति में आपसी अविश्वास, द्वेष, कटुता और आरोप-प्रत्यारोप का स्तर अब व्यक्तिगत स्तर पर भी काफी बेलगाम हो गया है। उन्होंने कहा कि इससे देश की गरिमा और मान-मर्यादा पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। पूर्व सीएम मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारतीय राजनीति में आपसी अविश्वास, द्वेष, कटुता और आरोप-प्रत्यारोप का स्तर अब व्यक्तिगत स्तर पर भी काफी बेलगाम हो गया है। यह असंसदीय, अमर्यादित, अपमानजनक, संकीर्ण और जातिवाद से ग्रसित होते हुए हिंसक बयानबाजी तक पहुंच रहा है, जो अति-दुखद और देश की गरिमा व मान-मर्यादा के लिए चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि शीर्ष स्तर पर आसीन लोगों के बीच यदि एक-दूसरे के लिए समुचित सम्मान नहीं है, तो कम से कम आपत्तिजनक और विषैली राजनीति को किसी भी प्रकार से बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए।

देश के युवाओं का संकल्प होना चाहिए, 'हम यह कर सकते हैं : प्रधानमंत्री मोदी

पीएम मोदी ने भारत मंडपम में 'इमर्जिंग साइंस,टेक्नोलॉजी कॉन्क्लेव' को किया संबोधित

देश में अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन को गति दी जा रही है



नई दिल्ली। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने अनुसंधान को किसी देश की तकनीकी क्षमता और आत्मनिर्भरता का आधार बताते हुए कहा कि शोध से ही देश अपनी समस्याओं का समाधान खोजने और महत्वपूर्ण तकनीकों में आत्मनिर्भर बनने की ताकत हासिल करता है। उन्होंने 'जय विज्ञान, जय अनुसंधान' के मंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश के अनुसंधान तंत्र को लगातार मजबूत किया जा रहा है और अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन को गति दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष इसी मंच से अनुसंधान, विकास और नवाचार के लिए एक लाख करोड़ रुपये देने की प्रतिबद्धता जताई गई थी और अब इसके परिणाम दिखाई देने लगे हैं। पिछले एक वर्ष में प्रयोगशालाओं में विकसित और व्यावसायीकरण के लिए तैयार प्रौद्योगिकियों को बाजार तक पहुंचाने के लिए करीब 12,000 करोड़ रुपये देने की प्रतिबद्धता जताई गई है। निजी निवेशक भी इस पहल में भागीदारी कर रहे हैं। उन्होंने सरकार की प्रतिबद्धता के बराबर 12,000 करोड़ रुपये निवेश करने का संकल्प लिया है। इस तरह एक वर्ष में अनुसंधान, विकास और नवाचार के लिए कुल 24,000 करोड़ रुपये की प्रतिबद्धता सामने आई है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत के अनुसंधान तंत्र का लगातार विस्तार हो रहा है। एक दशक पहले देश में हर साल 10,000 से कम पेटेंट आवेदन दाखिल होते थे, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या बढ़कर 1.5 लाख हो गई। उन्होंने इसे देश में अनुसंधान और नवाचार के प्रति बढ़ती रुचि तथा बदलती वैज्ञानिक संस्कृति का संकेत बताया।

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत अब विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया की उपलब्धियों को अपनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि नई तकनीक विकसित करने, उसकी दिशा तय करने और वैश्विक समस्याओं का समाधान देने की क्षमता हासिल करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत को भविष्य की तकनीकों को अपनाने, नवाचार करने और उनके विकास में दुनिया का नेतृत्व करने के लिए तैयार होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने यहां भारत मंडपम में आयोजित 'इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव' (ईएसटीआईसी) 2026 के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में कहा कि भारतीय युवाओं के कौशल, आत्मविश्वास और नवाचार के प्रति उत्साह से देश का भविष्य उज्ज्वल दिखाई देता है। दशकों पहले भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का मतलब दुनिया में विकसित तकनीकों को अपनाना या उनमें सुधार करना होता था, लेकिन 21वीं सदी का भारत नई सोच और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कोरोना महामारी का उदाहरण देते हुए कहा कि जब दुनिया के कई देश टीकों की उपलब्धता को लेकर चुनौतियों का सामना कर रहे थे, तब भारत ने अपना टीका विकसित किया, बड़े पैमाने पर टीकाकरण किया और दूसरे देशों को भी टीके उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि यह 21वीं सदी के भारत के आत्मविश्वास का उदाहरण है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह तक पहुंचने और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने जैसी उपलब्धियां हासिल की हैं। परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, कृत्रिम मेधा (एआई) और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भारत अपनी क्षमताओं और आत्मविश्वास को लगातार मजबूत कर रहा है। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर परमाणु ऊर्जा की जरूरत होगी।

सीएम डॉ.यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में कई बड़े फैसलें:

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा,सिवनी, मुरैना जिले में सिंचाई क्षमता का होगा विस्तार



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश के सर्वांगीण विकास और प्रशासनिक तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए 8 हजार 225 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास योजनाओं एवं वित्तीय प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। राज्य में कृषि विस्तार और जल संसाधन प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए छिंदवाड़ा, मुरैना और सागर जिलों की वृहद सिंचाई परियोजनाओं के लिए वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक निरंतर संचालन के लिए 3,378 करोड़ 69 लाख रुपये की मंजूरी दी गई जिससे व्यापक स्तर पर सिंचाई क्षमता का विस्तार होगा। मंत्रि-परिषद ने पर्यावरण संरक्षण एवं क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण कार्यों को गति देने के लिए प्रतिकरात्मक वन रोपण निधि (कैम्पा) से 2,050 करोड़ 3 लाख रुपये के उपयोग का अनुमोदन किया गया। जन-स्वास्थ्य सेवाओं को निर्बाध रखने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को 1,743 करोड़ 58 लाख रुपये तथा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण योजनाओं के लिए 651 करोड़ 25 लाख रुपये का अनुमोदन दिया गया है। प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के क्रम में नवगठित जिलों-निवाड़ी, मऊगंज, पांढुर्णा और मैहर में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालयों की स्थापना, नवीन पदों के सृजन, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ के सुचारू संचालन तथा नागरिक आपूर्ति निगम से जुड़े उपार्जन संबंधी प्रस्तावों को भी स्वीकृति दी गई। मंत्रि-परिषद ने छिंदवाड़ा, मुरैना और सागर की सिंचाई परियोजनाओं के वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक निरन्तर संचालन के लिए 3,378 करोड़ 69 लाख रूपये की स्वीकृति दी है। स्वीकृति अनुसार छिन्दवाड़ा सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना के लिए 2,611 करोड़ 13 लाख रूपये स्वीकृत किए गए हैं। छिन्दवाड़ा सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना का मुख्य उद्देश्य छिन्दवाड़ा जिले के 1,90,500 हेक्टेयर में सूक्ष्म सिंचाई (ड्रिप/स्प्रिंकलर) के माध्यम से किसानों के खेतों तक पानी पहुँचाना है। इसके साथ ही पेंच व्यपवर्तन (वृहद) परियोजना की निरंतरता के लिए 197 करोड़ रूपये स्वीकृत किए गए है। इसका मुख्य उद्देश्य बांध निर्माण कर छिंदवाड़ा और सिवनी जिलों में कृषि के लिए पानी की आपूर्ति करना है। योजना का उद्देश्य छिंदवाड़ा जिले के 1,26,647 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित करना है। मुरैना जिले में चेंटीखेड़ा वृहद सिंचाई परियोजना अन्तर्गत बांध निर्माण कर जिले के 15.300 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई प्रणाली का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। चेंटीखेड़ा वृहद सिंचाई परियोजना की निरंतरता के लिए 531 करोड़ 15 लाख रूपये स्वीकृत किए गए है। सागर में पंचमनगर सिंचाई कॉम्पलेक्स एक वृहद सिंचाई परियोजना है।

लॉरेंस बिश्नोई को साबरमती जेल की हाई सिक्यॉरिटी ब्लॉक में किया शिफ्ट



गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई जेल में अब देश के खतरनाक कैदियों के बीच रहेगा

अहमदाबाद ,(एजेंसी)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर शिकंजा कसने के लिए गुजरात की साबरमती सेंट्रल जेल में सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी गई है। उसे हाल ही में जेल के विशेष हाई-सिक्योरिटी ब्लॉक 'दो सौ खोली' (ब्लॉक-200) में शिफ्ट किया गया है। इस ब्लॉक में आतंकवाद और अन्य गंभीर अपराधों में दोषी ठहराए गए या आरोपों का सामना कर रहे कैदियों को रखा जाता है। करीब 7.5म11 फीट की कोठरी में बंद लॉरेंस पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है। जेल के इस विशेष ब्लॉक को चार हिस्सों में बांटा गया है। प्रत्येक हिस्से में लगभग 50 कैदी रखे जाते हैं, ताकि उनके बीच संपर्क और एक कोठरी से दूसरी कोठरी तक आवाजाही को नियंत्रित किया जा सके। यहां 2008 के अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले के दोषियों समेत कई गंभीर अपराधों के कैदी भी बंद हैं। लॉरेंस बिश्नोई पहले जेल में रहते हुए भी अपने आपराधिक नेटवर्क को सक्रिय रखने के लिए चर्चाओं में रहा है। वर्ष 2023-24 से पहले उसके खिलाफ जेल से रंगदारी के लिए फोन करने, धमकी भरे ऑडियो और वीडियो संदेश भेजने तथा अलग-अलग जेलों से साक्षात्कार देने के मामले सामने आते रहे। जांच से जुड़े दावों के मुताबिक, पिछले दो वर्षों में उसकी ओर से सीधे फोन या बातचीत किए जाने की कोई घटना सामने नहीं आई है। साबरमती जेल में शिफ्ट किए जाने से पहले लॉरेंस को 'दस खोली' नामक हाई-सिक्योरिटी हिस्से में रखा गया था, जहां केवल 10 कैदियों के रहने की व्यवस्था है। इससे पहले वह दिल्ली की तिहाड़ जेल और पंजाब की विभिन्न जेलों में भी बंद रह चुका है। इसी दौरान कॉल सेंटर संचालकों को धमकी देने वाली कथित रिकॉर्डिंग और गैंगस्टर शहजाद भट्टी के साथ बातचीत के मामले भी सामने आए थे। सुरक्षा व्यवस्था के तहत लॉरेंस को अन्य कैदियों से अलग रखा गया है। उसके लोगों से मिलने-जुलने और डिजिटल माध्यमों तक पहुंच पर कड़ी पाबंदियां हैं। बताया जाता है कि वह अपनी कोठरी में अनुशासित दिनचर्या का पालन करता है। वह सुबह ध्यान लगाता है, नियमित रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करता है, व्रत रखता है और शाकाहारी भोजन करता है। जेल में रहते हुए बाहरी दुनिया से उसका संपर्क मुख्य रूप से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होने वाली अदालती सुनवाई और अपने वकील से कानूनी मामलों पर चर्चा तक सीमित बताया जाता है। लॉरेंस बिश्नोई के जेल में अलग-थलग रहने के बावजूद उसके गिरोह की गतिविधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बनी हुई है। दावा किया जाता है कि उसका सिंडिकेट विकेंद्रीकृत व्यवस्था के तहत विदेशों से संचालित होता है। उसके करीबी गुर्गों का एक समूह कथित तौर पर सुरक्षित विदेशी ठिकानों से नेटवर्क के रोजमर्रा के कामकाज को संभालता है। इस समूह पर नए लोगों की भर्ती करने, सदस्यों को काम सौंपने और आपराधिक गतिविधियों से जुड़े इंतजामों का समन्वय करने के आरोप हैं। गिरोह के सदस्यों के बीच स्क्रीनशॉट और अन्य डिजिटल सूचनाएं साझा किए जाने की बात भी सामने आती रही है।

हर बूथ पर कमल खिलाने और 2037 तक 'विकसित गोवा' बनाने का लक्ष्य : नितिन नवीन



भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गोवा के चिंबल में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को किया संबोधित

गोवा, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को गोवा के चिंबल में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में हर बूथ पर कमल खिलाने और 2029 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फिर सरकार बनाने का लक्ष्य रखा। उन्होंने मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के नेतृत्व में वर्ष 2037 तक 'विकसित गोवा' बनाने का संकल्प भी दोहराया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर परिवारवाद, तुष्टीकरण और संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। इस मौके पर नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य केवल गोवा में दोबारा सरकार बनाना नहीं, बल्कि राज्य में विकास की मौजूदा गति को आगे बढ़ाते हुए उसे विकसित गोवा बनाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव में 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करने के लिए बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा कार्यकर्ता उत्साह और ऊर्जा के साथ जमीन पर काम करते रहेंगे, तब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को कोई चुनौती नहीं दे सकता। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि संविधान और लोकतंत्र की बात करने वाली कांग्रेस ने ही आपातकाल लगाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर किया था। उनके अनुसार, कांग्रेस के लिए संविधान का महत्व नहीं है और उसका परिवार अपने फैसलों को ही देश का संविधान बनाना चाहता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की राजनीति परिवारवाद और तुष्टीकरण के इर्द-गिर्द घूमती है। नितिन नवीन ने कहा कि जनता चुनाव में विपक्ष के पक्ष में फैसला देती है तो कांग्रेस लोकतंत्र को मजबूत बताती है, लेकिन हारने पर संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने लगती है। उन्होंने चुनाव आयोग पर कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे सवालों का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी का उद्देश्य मुद्दों का समाधान करने के बजाय राजनीतिक लाभ लेना है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ' और 'अराजकता हटाओ' अभियान चलाने का फैसला किया है। इसके माध्यम से पार्टी कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर सरकार के कामकाज और विपक्ष की राजनीति के बारे में संवाद करेंगे। नितिन नवीन ने आरोप लगाया कि देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी विकास के मुद्दों पर सवाल उठाने के बजाय अराजकता फैलाने और जनता को गुमराह करने की राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना और किसान कल्याण से जुड़ी पहलों के माध्यम से लोगों के जीवन में बदलाव आया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त इस्तीफा नहीं दे देते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा : राहुल गांधी

जन सुनवाई में शामिल हुए राहुल गांधी, चार बूथों से 416 नाम हटाने का आरोप



नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि देश में ऊपर के स्तर से वोट चोरी की जा रही है और गरीबों के नाम जानबूझकर मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष तब तक अपना आंदोलन जारी रखेगा, जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं दे देते। राहुल गांधी मंगलवार को यहां त्रिलोकपुरी स्थित ब्लॉक-20 में 'वोट अधिकार जीने का अधिकार' जन सुनवाई में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं। राहुल ने दावा किया कि जन सुनवाई में सामने आया कि चार बूथों से 416 लोगों के नाम गैरकानूनी तरीके से मतदाता सूची से हटा दिए गए। उन्होंने कहा कि वोट देना भारत के हर वयस्क नागरिक का अधिकार है, लेकिन करोड़ों लोगों से यह अधिकार छीना जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीबों के नाम मतदाता सूची से हटाकर उनके अधिकार और सुविधाएं भी छीनी जा रही हैं। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर सवालों का जवाब नहीं देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस मुद्दे को लंबे समय से उठा रहा है और अब लोग भी समझ रहे हैं कि मतदाता सूची में गड़बड़ी की जा रही है। जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते, विपक्ष एकजुट होकर इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाता रहेगा। उल्लेखनीय है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्षी दल लगातार चुनाव आयोग से जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस ने 30 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रतीकात्मक महाभियोग जैसी प्रक्रिया आयोजित करने की योजना बनाई है।

चौड़ी सड़कों की लंबाई 18,278 किलोमीटर से बढ़कर 49,260 किलोमीटर पहुंची : गडकरी



नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़क और बुनियादी ढांचे पर खर्च का अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। इंफ्रास्ट्रक्चर पर 100 रुपये खर्च करने से अर्थव्यवस्था और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर 325 रुपये के बराबर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि मजबूत बुनियादी ढांचे, पर्याप्त बिजली और पानी के बिना कृषि, उद्योग, व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना संभव नहीं है। गडकरी मंगलवार को यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के राष्ट्रीय सम्मेलन 'हाईवेज ऑफ इंडियाज फ्यूचर-स्मार्ट, सेफ एंड सस्टेनेबल' में शामिल हुए। उन्होंने सड़क निर्माण, आर्थिक विकास, लॉजिस्टिक्स लागत, निर्माण की गुणवत्ता और वैकल्पिक ईंधन से जुड़ी योजनाओं का ब्योरा दिया। उन्होंने कहा कि भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए लॉजिस्टिक्स लागत घटाना जरूरी है। दो वर्ष पहले चीन में लॉजिस्टिक्स लागत जीडीपी की करीब आठ फीसदी थी, जबकि भारत में यह 16 फीसदी थी। इस अंतर को कम करने के लिए देश में ग्रीन एक्सप्रेसवे और दो से छह लेन तक की सड़कों का नेटवर्क विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004 से 2014 के दौरान देश में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 91,287 किलोमीटर थी, जो वर्ष 2014 से 2026 के बीच बढ़कर 1,46,572 किलोमीटर हो गई। चार लेन और उससे अधिक चौड़ी सड़कों की लंबाई 18,278 किलोमीटर से बढ़कर 49,260 किलोमीटर पहुंच गई है। हाई-स्पीड कॉरिडोर नेटवर्क भी 557 किलोमीटर से बढ़कर 6,788 किलोमीटर हो गया है। उन्होंने कहा कि असम में ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे 22 हजार करोड़ रुपये की लागत से रेल और सड़क की संयुक्त सुरंग बनाई जा रही है। अगले पांच से सात वर्षों में जलविद्युत, मेट्रो और राजमार्गों से जुड़ी सात से आठ लाख करोड़ रुपये की सुरंग परियोजनाएं विकसित होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों के पहले चरण में 10 हजार किलोमीटर के दायरे में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली लागू की जा रही है। इसके तहत लेन अनुशासन तोड़ने, बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने जैसे मामलों में कैमरों से ई-चालान जारी किए जाएंगे। उन्होंने उद्योग जगत से निर्माण उपकरणों में डीजल के स्थान पर बिजली, हाइड्रोजन और जैव ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण की गति नौ किलोमीटर प्रतिदिन से बढ़कर 37 किलोमीटर प्रतिदिन हो गई है। बुनियादी ढांचे पर खर्च दो लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 16 लाख करोड़ रुपये और सड़क परिवहन मंत्रालय का बजटीय आवंटन बढ़कर 3.1 लाख करोड़ रुपये हो गया है। करीब चार लाख करोड़ रुपये की लागत से 7,500 किलोमीटर लंबे 25 ग्रीनफील्ड कॉरिडोर पर काम चल रहा है। धार्मिक पर्यटन से जुड़ी एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं और दो लाख करोड़ रुपये की सुरंग परियोजनाएं भी प्रगति पर हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

क्रेटा कार में छिपाकर ले जा रहे थे एमडी ड्रग्स और डोडाचूरा, दो गिरफ्तार



मंदसौर। मंदसौर शहर कोतवाली पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी काले रंग की क्रेटा कार में एमडी ड्रग्स और डोडाचूरा छिपाकर ले जा रहे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से 100 ग्राम एमडी ड्रग्स, 8 किलोग्राम डोडाचूरा, कार और एक आईफोन सहित कुल 17 लाख 66 हजार रुपये का मश्रुका जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, 26 अक्टूबर की शाम कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति क्रेटा कार से मंदसौर में एमडी ड्रग्स और डोडाचूरा की तस्करी करने आने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई करते हुए अभिनंदन नगर स्थित हर्ष इको सिटी कॉलोनी के पास नाकाबंदी की। इस दौरान मुखबिर के बताए हुलिए के अनुसार काले रंग की क्रेटा कार को रोककर उसमें सवार लोगों से पूछताछ की गई। आरोपियों ने अपनी पहचान मोहसिन पिता बाबुभाई मंसुरी (32), निवासी गांधीनगर, गुजरात, हाल मुकाम अहमदाबाद और रोहान उर्फ रिहान पिता युनुस भाई शेख (22), निवासी अहमदाबाद, गुजरात के रूप में बताई। कार की तलाशी लेने पर उसमें छिपाकर रखा गया 100 ग्राम एमडी ड्रग्स और 8 किलोग्राम डोडाचूरा मिला। पुलिस ने मादक पदार्थों के साथ तस्करी में इस्तेमाल की जा रही क्रेटा कार और एक एप्पल कंपनी का आईफोन भी जब्त किया। जब्त एमडी ड्रग्स की कीमत 10 लाख रुपये, डोडाचूरा की कीमत 16 हजार रुपये, क्रेटा कार की कीमत 7 लाख रुपये और आईफोन की कीमत 50 हजार रुपये बताई गई है। इस तरह कुल जब्त मश्रुका की कीमत 17 लाख 66 हजार रुपये है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कोतवाली थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18, 22 और 29 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक जांच के आधार पर उनके पुलिस रिमांड की कार्रवाई की जाएगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि मादक पदार्थ कहां से लाए गए थे और इन्हें कहां पहुंचाया जाना था। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के मार्गदर्शन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीएस बघेल और नगर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र भास्कर के निर्देशन में तथा कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौर के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई में कोतवाली पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

हरदा में प्रतिबंधित पटाखों के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर रोक

कलेक्टर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जारी किया प्रतिबंधात्मक आदेश

हरदा। जिले में पानी एवं कार्बाइड के मिश्रण से तैयार किए जाने वाले एसिटिलीन गैस के बॉटल फ्लैश लैंप तथा अत्यधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले अवैध संशोधित पटाखों (कार्बाइड गन) के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री कुमार सत्यम ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत इस संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार, कुछ लोग पानी एवं कार्बाइड के मिश्रण से एसिटिलीन गैस के बॉटल फ्लैश लैंप आदि तैयार कर उनका विक्रय कर रहे हैं। इसके अलावा पटाखों, आतिशबाजी, लोहे की स्टील अथवा पीवीसी पाइपों में विस्फोटक पदार्थ भरकर अत्यधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले अवैध संशोधित पटाखे (कार्बाइड गन) भी बनाए और बेचे जा रहे हैं। इन गतिविधियों से आम नागरिकों की सुरक्षा, शांति और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। आदेश के तहत कोई भी व्यक्ति, संस्था या व्यापारी प्रतिबंधित पटाखों एवं कार्बाइड गन का निर्माण, भंडारण, क्रय-विक्रय नहीं कर सकेगा। साथ ही, बोतल के ढक्कन में छेद कर नोजल स्थापित करके उसमें पानी डालने और कैल्शियम कार्बाइड के साथ रासायनिक क्रिया से उत्पन्न एसिटिलीन गैस से बॉटल फ्लैश लैंप तैयार करने तथा प्रतिबंधित सामग्री के उपयोग पर भी रोक लगाई गई है।

कलेक्टर ने अनुविभागीय दंडाधिकारियों, कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों, पुलिस अधिकारियों एवं संबंधित विभागों को आदेश का क?ाई से पालन सुनिश्चित कराने और निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

आपदा मित्र प्रशिक्षण के पांचवे दिवस कलेक्ट्रेट कार्यालय में मॉक ड्रिल का आयोजन

बैतूल। मध्यप्रदेश शासन के गृह विभाग एवं मध्यप्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार होमगार्ड लाइन सोनाघाटी कैंप में आपदा मित्र योजना के अंतर्गत 23 से 29 अक्टूबर तक सात दिवसीय द्वितीय सत्र का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के पांचवे दिवस 27 अक्टूबर को विभिन्न आपदाओं से बचाव एवं राहत कार्यों की जानकारी दी गई। पांचवा दिवस में बुनियादी खोज एवं बचाव के तरीके बताए गए, जिसमें खोज के तरीके आवाज देकर, लाइन सर्च, केनाइन खोज, ज्यादा विक्टिम मिलने की संभावना होती हैं। वी शेप, लीन टू क्लाप्स, कैंटीलीवर की जानकारी के साथ मॉक अभ्यास कराया गया। साथ ही भार उठाना एवं स्थिर करना की जानकारी दी गई। इस दौरान कलेक्ट्रेट कार्यालय में मॉक ड्रिल किया गया जिसने अपर कलेक्टर श्री गोपाल सिंह वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश खरपुसे, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका, आपदा मित्र, होमगार्ड, सिविल डिफेंस वालेंटियर पत्रकार गण आम नागरिक उपस्थित रहे।

खनिज विभाग ने भैंसदेही, आठनेर क्षेत्र में गौण खनिजों के अवैध परिवहन में संलिप्त 03 वाहन जप्त

बैतूल। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 27 अक्टूबर को खनिज विभाग बैतूल द्वारा खनिज अमले के साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। खनि निरीक्षक सुश्री वंदना पटेल बैतूल द्वारा खनिज अमले के साथ भैंसदेही, आठनेर क्षेत्रांतर्गत खनिज गिट्टी डस्ट के अवैध परिवहन में संलिप्त वाहन 01 डम्पर क्रमांक एमपी 48 एच 1074 एवं खनिज गिट्टी के अवैध परिवहन में संलिप्त 01 वाहन ट्रेक्टर सोनालिका बिना नंबर को जप्त कर पुलिस थाना भैंसदेही की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है। इसी प्रकार खनिज गिट्टी के अवैध परिवहन में संलिप्त 01 वाहन ट्रेक्टर स्वराज्य 735 नीला रंग बिना नंबर को ग्राम मूसाखेड़ी के पास से जप्त कर पुलिस थाना आठनेर की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है। इस प्रकार गौण खनिजों के अवैध परिवहन में संलिप्त कुल 03 वाहनों को जप्त कर खनिज नियमों के तहत अर्थदण्ड प्रस्तावित किया गया है।

जनसुनवाई में 67 आवेदन पहुंचे, कलेक्टर ने विभागों को दिए निराकरण के निर्देश

मंदसौर। जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित हुई। इसमें विभिन्न समस्याओं और मांगों से जुड़े 67 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने आवेदकों की समस्याएं सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को जांच करने और नियमानुसार निराकरण की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर एकता जायसवाल और जिला पंचायत सीईओ अनुकूल जैन ने भी आवेदनों पर सुनवाई की। इस दौरान विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में ग्राम बापच्या निवासी भेरूलाल ने आरसीसी निर्माण और नाली सुधारने के संबंध में आवेदन दिया। इस पर सीईओ जनपद पंचायत सीतामऊ को जांच



कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। मंदसौर निवासी मुकेश ने सार्वजनिक गली में अवैध निर्माण की शिकायत करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर नगर पालिका मंदसौर के सीएमओ को जांच कर उचित कार्रवाई करने के लिए कहा गया। वहीं, करनालीखेड़ा निवासी किशनलाल ने कृषि भूमि का कब्जा दिलाने की मांग रखी। इस मामले में तहसीलदार सीतामऊ को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा जनसुनवाई में आवासीय पट्टा जारी कराने, संबल योजना का लाभ दिलाने, आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने, मनरेगा के तहत कपिलधारा कूप निर्माण कराने और भू-अधिकार योजना का लाभ दिलाने से संबंधित आवेदन भी आए। आवेदकों ने रास्ता खुलवाने, खसरा नकल में नाम दर्ज कराने, शासकीय रास्ते से संबंधित समस्या का निराकरण कराने और संत रविदास योजना का लाभ दिलाने की मांग भी रखी। अधिकारियों को संबंधित आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

हरदा। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित 'जनसुनवाई' कार्यक्रम में आए नागरिकों की समस्याएं सुनी और उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री पुरूषोत्तम कुमार एवं श्रीमती अनुपमा चौहान, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नरोत्तम भार्गव, एसडीएम खिरकिया सुश्री रजनी वर्मा, एसडीएम हरदा श्री शैलेन्द्र ब?ोनिया, एसडीएम टिमरनी श्री असवनराम चिरामन, डिप्टी कलेक्टर सुश्री श्वेता बम्होरे एवं श्री अशोक डहेरिया सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में ग्राम छिदगांवमेल निवासी सुनिता बाई ने आवेदन देकर ला?ली बहना योजना की किश्त की राशि प्राप्त न होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को आवेदिका की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। ग्राम एड़ाबेड़ा निवासी लोकेश पिता रमेश ने नक्शा दुरूस्त कराने व सीमांकन कराने के संबंध में



आवेदन दिया, जिस पर तहसीलदार हंडिया को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। ग्राम बिछोला माल निवासी राजेश ने पत्नि की दुर्घटना में मृत्यु उपरान्त राहत राशि दिलाने की मांग की, जिस पर तहसीलदार हंडिया को समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में ग्राम भुन्नास निवासी सादिक खान ने बैंक द्वारा स्वसहायता समूह ऋण में वित्तीय अनियमितता के संबंध में शिकायत की, जिस पर जिला प्रबन्धक अग्रणी बैंक को मामले की जांच करने के निर्देश दिये। ग्राम भाटपरेटिया निवासी रामकृष्ण राजपूत ने बैंक द्वारा पोर्टल पर एन्ट्री नहीं किये जाने के कारण फसल बीमा का लाभ प्राप्त नहीं होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर जिला प्रबन्धक अग्रणी बैंक को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये। हरदा के खेड़ीपुरा निवासी शबाना ने जनसुनवाई में आवेदन देकर विवाह उपरान्त पुन: दिव्यांग पेंशन प्रारम्भ कराने की मांग की, जिस पर उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग को आवेदिका की पात्रता अनुसार योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में हरदा निवासी गंगाबाई ने वृद्धावस्था पेंशन चालू कराने व ग्राम कुकरावद निवासी श्रीराम काजवे ने गत 6 वर्षों से वृद्धावस्था पेंशन की राशि प्राप्त न होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग को आवेदकों की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये।

मंदसौर पुलिस ने पकड़ा अवैध हथियारों और कारतूसों का जखीरा, चार गिरफ्तार



दो हैंडमेड पिस्टल और 700 जिंदा कारतूस जब्त, पहले भी हथियार-कारतूस बेचने का खुलासा

मंदसौर। जिले की भानपुरा थाना पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से दो पिस्टल, 700 जिंदा कारतूस और चार एंड्रॉयड मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त सामग्री की कुल कीमत 4 लाख 26 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने प्रेस वार्ता में कार्रवाई का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी पूर्व में भी दो बार अवैध हथियार और 150 से 200 के बीच कारतूस बेच चुके हैं। पुलिस अब हथियारों और कारतूसों की खरीद-फरोख्त से जुड़े नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देश पर अवैध हथियार रखने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ रामसनेही मिश्रा और एसडीओपी गरोठ विजय कुमार यादव के मार्गदर्शन में भानपुरा थाना प्रभारी उप निरीक्षक विनय बुंदेला तथा भैसोदामंडी चौकी प्रभारी उप निरीक्षक धर्मेश यादव के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। 26 अक्टूबर को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मालीपुरा तिराहे पर चार व्यक्ति अवैध हथियारों के साथ आने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर दबिश दी और चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो पिस्टल, 700 जिंदा कारतूस और चार एंड्रॉयड मोबाइल फोन जब्त किए। जब्त दो पिस्टल की कीमत 40 हजार रुपये, कारतूसों की कीमत 3 लाख 15 हजार रुपये तथा मोबाइल फोन की कीमत 71 हजार रुपये आंकी गई है। इस तरह जब्त सामग्री का कुल मूल्य 4 लाख 26 हजार रुपये है। पुलिस अधीक्षक मीना ने बताया कि जब्त की गई दोनों पिस्टल हैंडमेड हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस तरह के हथियार खरगोन के आसपास रहने वाले सिकलीगरों द्वारा बनाए जाते हैं। वहीं, जब्त किए गए 700 कारतूस 7.6 चस्र मार्किंग वाले हैं और प्रथम दृष्टया उत्तर प्रदेश की किसी फैक्ट्री में निर्मित प्रतीत होते हैं। पुलिस इन हथियारों और कारतूसों के वास्तविक स्रोत की जानकारी जुटा रही है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी इन्हें कहां से लाते थे और किन लोगों को सप्लाई करते थे। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। उनके बैंक लेनदेन और कॉल डिटेल की जांच के आधार पर अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस को आशंका है कि इस मामले में हथियार और कारतूसों की आपूर्ति से जुड़ी अन्य कड़ियां भी सामने आ सकती हैं। गिरफ्तार आरोपियों में आदिल मिर्जा (22), निवासी जवाहर कॉलोनी, भवानीमंडी (राजस्थान); रिहान (19), निवासी मालीपुरा, थाना भानपुरा; इरफान (28) और फरमान अली (76), निवासी पानपुरिया मोहल्ला, सीतामऊ शामिल हैं।

मंदसौर जिले में कार्बाइड गन के निर्माण से इस्तेमाल तक पर रोक, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

मंदसौर। जिले में आम नागरिकों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्बाइड गन तथा तेज आवाज या विस्फोट उत्पन्न करने वाले अन्य अवैध उपकरणों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट दिव्यांक सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी कर इन उपकरणों के निर्माण, भंडारण, क्रय-विक्रय, वितरण, प्रदर्शन और उपयोग को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया है। जारी आदेश के अनुसार, जिले के सभी अनुविभागीय दंडाधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी, पुलिस कार्यपालिक दंडाधिकारी और संबंधित थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में प्रतिबंधात्मक आदेश का पालन सुनिश्चित करेंगे। प्रतिबंधित उपकरणों के निर्माण, भंडारण, क्रय-विक्रय, वितरण या उपयोग की जानकारी मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि यदि उन्हें ऐसे प्रतिबंधित उपकरणों के निर्माण, भंडारण, खरीद-बिक्री या उपयोग की जानकारी मिलती है तो वे तत्काल नजदीकी पुलिस थाने अथवा पुलिस कंट्रोल रूम मंदसौर को सूचित करें।

चार साल से फरार 5 हजार का इनामी आरोपी मल्हारगढ़ में पकड़ाया, नीमच पुलिस को सौंपा

मंदसौर। मंदसौर जिले की मल्हारगढ़ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में चार साल से फरार चल रहे 5 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी नीमच जिले के जावद थाने में दर्ज मादक पदार्थ तस्करी के मामले में वांछित था। पुलिस ने उसे मल्हारगढ़ बस स्टैंड से पकड़कर आगे की कार्रवाई के लिए जावद पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा ने मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में फरार आरोपियों की धरपकड़ के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेर सिंह बघेल और मल्हारगढ़ एसडीओपी पिन्टू कुमार बघेल के मार्गदर्शन में



थाना प्रभारी अनिल रघुवंशी के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी बबलु उर्फ सुनील पिता सतीश पाटीदार निवासी नारायणगढ़, हाल मुकाम देवरी खवासा, के खिलाफ जावद थाने में वर्ष 2022 में अपराध क्रमांक 549/2022 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 और 29 में प्रकरण दर्ज है। मामले में फरार रहने पर नीमच पुलिस अधीक्षक द्वारा 24 मई 2023 को आरोपी की गिरफ्तारी पर 5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर मल्हारगढ़ पुलिस ने 27 अक्टूबर को उसे बस स्टैंड से अभिरक्षा में लिया और जावद पुलिस को सूचना देकर सुपुर्द कर दिया। आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड आईसीजेएस पोर्टल पर खंगालने के दौरान पिपलियामंडी थाने में भी अपराध क्रमांक 167/2022 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 और 29 में प्रकरण दर्ज होना सामने आया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अनिल रघुवंशी, उपनिरीक्षक सुरेन्द्र सिंह सिसोदिया, आरक्षक राहुल सिंह, सूर्यपाल सिंह, दीपक मीणा, भारत सिंह बोराना और महिला आरक्षक ज्योति ओहारी की भूमिका रही।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, बुधवार 28 अक्टूबर 2026

चक्रवात अर्नब बना खतरनाक, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ा

भुवनेश्वर। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि चक्रवात अर्नब बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य हिस्से में और ज्यादा तीव्र होकर एक बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया है। 28 अक्टूबर सुबह तक आंध्र प्रदेश और यनम के तटों को पार करने की संभावना है। यह तट को बापटला और विशाखापत्तनम के बीच, यनम के पास पार कर सकता है। पिछले छह घंटों में यह तूफान 23 किमी प्रति घंटे की गति से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ा है।

पराली जलाने की घटनाओं से लुधियाना शहर की हवा हुई और जहरीली

लुधियाना। जिले में धान की थ्रेशिंग का काम जारी है साथ ही शहर की फिजाओं में धुआं और प्रदूषण भी घुलने लगा है। आसपास के जिलों में पराली जलाने की घटनाओं के चलते औद्योगिक नगरी लुधियाना की हवा येलो जोन में बनी हुई है। सोमवार को शहर का एक्यूआई 126 दर्ज किया गया। हवा में घुले इस जहर का सीधा असर आम जनता, खासकर बुजुर्गों, दिल के मरीजों और सांस की बीमारी से जूझ रहे लोगों की सेहत पर पड़ने लगा है।

वंदे भारत चेयर कार ट्रेन को पटरी पर उतारने की आधिकारिक मंजूरी दी गई

चेन्नई के बाहर पहली बार आरसीएफ में तैयार हुई चेयर कार,अल्स्टॉम प्रोपल्शन से है लैस

कपूरथला। देश के सेमी-हाई स्पीड रेल नेटवर्क को विस्तार देने की दिशा में रेलवे बोर्ड ने पंजाब के कपूरथला स्थित रेल कोच फैक्ट्री में तैयार की गई पहली 16 कोच वाली वंदे भारत चेयर कार ट्रेन को पटरी पर उतारने की आधिकारिक मंजूरी दे दी है। हालांकि,तकनीकी जांच और ट्रायल के दौरान ट्रेन में कई संवेदनशील खामियां उजागर हुई हैं, जिन पर रेलवे बोर्ड ने गहरी नाराजगी जताते हुए आरसीएफ प्रशासन को तत्काल सुधार के कड़े निर्देश दिए हैं। इनमें लोको पायलट की टचस्क्रीन डिस्प्ले का ठीक से काम न



करना,सर्किट ब्रेकर्स पर मार्किंग न होना और फायर एक्सटिंग्विशर के कवर ढीले मिलना शामिल हैं। इसके अलावा,तकनीकी तौर पर 160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से दौड़ने की मंजूरी मिलने के बावजूद ट्रैक प्रतिबंधों के कारण इसे फिलहाल 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक ही सीमित रखा जाएगा। देशभर में अब तक दौड़ रहीं सभी वंदे भारत चेयर कार रेक चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री द्वारा तैयार की गई थीं। कपूरथला रेल कोच फैक्ट्री में 16 डिब्बों वाली चेयर कार का निर्माण पहली बार किया गया है, जिसमें ट्रेन को ऊर्जा और गति देने के लिए फ्रांसीसी बहुराष्ट्रीय कंपनी 'अल्स्टॉम' का आधुनिक प्रोपल्शन सिस्टम इस्तेमाल किया गया है। रेलवे बोर्ड ने विगत 23 अक्टूबर को रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन,जोनल रेलवेज और चीफ कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी को पत्र जारी कर ट्रेन के संचालन की संस्तुति तो दे दी, लेकिन साथ ही उन तकनीकी पहलुओं की सूची भी थमा दी है जिनका समाधान जरूरी है। रेलवे बोर्ड के तकनीकी पत्र के अनुसार, ट्रेन के लोको पायलट कैब में लगी ड्राइवर डिस्प्ले यूनिट की टचस्क्रीन ठीक से रिस्पॉन्ड नहीं कर रही है। यह स्क्रीन ट्रेन के तमाम कंट्रोल और सुरक्षा मापदंडों की निगरानी के लिए रीढ़ मानी जाती है, लिहाजा इसकी खराब टच सेंसिटिविटी परिचालन के दौरान गंभीर समस्या खड़ी कर सकती है। इसके अलावा, इलेक्ट्रिकल कंट्रोल कैबिनेट में पूर्व की ट्रेनों की तरह डबल पोल एमसीबी की जगह सिंगल पोल मिनिएचर सर्किट ब्रेकर लगाए गए हैं,जिससे बिजली की तकनीकी खराबी पकड़ना बेहद जटिल हो जाएगा। इन एमसीबी पर कोई स्पष्ट पहचान लेबल भी नहीं चिपकाए गए हैं, जिससे किसी सर्किट के फेल होने पर तकनीशियनों को फॉल्ट खोजने में भारी वक्त लगेगा। बोर्ड ने 270 किलोवाट क्षमता वाली नई ट्रैक्शन मोटर की उपयुक्तता की जांच के आदेश भी दिए हैं, क्योंकि आईसीएफ की पूर्ववर्ती ट्रेनों में 210 से 225 किलोवाट की मोटरें इस्तेमाल होती रही हैं। तकनीकी खामियों के साथ-साथ यात्री सुरक्षा से जुड़े उपकरणों में भी ढिलाई पाई गई है। डिब्बों में लगे अग्निशामक यंत्रों (फायर एक्सटिंग्विशर) के ऐक्रेलिक बॉक्स के कवर ढीले और असुरक्षित पाए गए हैं, जिन्हें आपात स्थिति में तुरंत इस्तेमाल करने लायक सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

टीएमसी बंगाल को 'ग्रेटर बांग्लादेश' बनाना चाहती थी : शुभेंदु अधिकारी

सीएम शुभेंदु ने तमलुक में भाजपा के नए सांगठनिक कार्यालय का किया भूमिपूजन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में आज उस समय बयानबाजी तेज हो गई,जब मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने तमलुक में भाजपा के नए सांगठनिक जिला कार्यालय के भूमिपूजन कार्यक्रम के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और वामपंथी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी के 15 वर्षों के शासनकाल में राज्य की सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रवाद की भावना को नुकसान पहुंचा तथा बंगाल को 'ग्रेटर बांग्लादेश' बनाने की कोशिश की गई। हालांकि,यह उनका राजनीतिक आरोप है, जिसकी पुष्टि के लिए उन्होंने सार्वजनिक रूप से कोई ठोस प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया। पूर्व मेदिनीपुर जिले के तमलुक सांगठनिक क्षेत्र के काकगाछिया में भाजपा के प्रस्तावित जिला कार्यालय का भूमिपूजन वैदिक रीति-रिवाजों, हवन और मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और पार्टी के अन्य नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



प्रस्तावित कार्यालय को जिले में भाजपा के संगठनात्मक कार्यों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी को उम्मीद है कि स्थायी कार्यालय बनने से संगठनात्मक गतिविधियों, कार्यकर्ताओं के समन्वय और स्थानीय स्तर पर राजनीतिक कार्यक्रमों को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में शुभेंदु अधिकारी ने टीएमसी के पिछले 15 वर्षों के शासन पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन सरकार ने राष्ट्रवाद की भावना को पर्याप्त महत्व नहीं दिया और तुष्टीकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्य के लिए अलग गीत तैयार करने,ध्वज बनाने और पड़ोसी देश बांग्लादेश के 'जय बांग्ला' नारे को अपनाने जैसे कदम इसी राजनीतिक सोच का हिस्सा थे। इन्हीं मुद्दों का हवाला देते हुए उन्होंने टीएमसी पर बंगाल को 'ग्रेटर बांग्लादेश' बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। ये आरोप राज्य की राजनीति में विवाद का विषय बन सकते हैं। हालांकि, किसी राजनीतिक नारे, गीत या ध्वज को लेकर मतभेद अपने आप में 'ग्रेटर बांग्लादेश' बनाने की योजना का प्रमाण नहीं हैं। शुभेंदु अधिकारी ने राज्य में 34 वर्षों तक शासन करने वाले वाममोर्चे और माकपा की विचारधारा पर भी हमला बोला। उन्होंने ब्राजील में वामपंथी राजनीति की सफलता का जिक्र करते हुए वामपंथी नेताओं पर कटाक्ष किया। उन्होंने सवाल उठाया कि वामपंथी नेताओं के घरों में स्वामी विवेकानंद, खुदीराम बोस और मातंगिनी हाजरा जैसे बंगाल के महान व्यक्तित्वों के चित्रों के बजाय विदेशी वामपंथी विचारकों की तस्वीरें क्यों दिखाई देती हैं। उनके इस बयान का उद्देश्य वामपंथी विचारधारा और भारतीय सांस्कृतिक विरासत के बीच अंतर को राजनीतिक बहस का मुद्दा बनाना था। मुख्यमंत्री ने वामपंथी नेताओं की पारिवारिक पृष्ठभूमि को लेकर भी टिप्पणी की। इन टिप्पणियों पर संबंधित दलों की प्रतिक्रिया को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा की संभावना है। दुर्गा पूजा के दौरान विभिन्न पंडालों के पास लगाए गए बुकस्टॉलों और वहां रखी गई किताबों को लेकर पश्चिम बंगाल का सियासी पारा अचानक चढ़ गया है।

करवा चौथ को लेकर सजा बाजार, 29 को महिलाएं रखेंगी निर्जला व्रत

उत्तर भारत में विशेष महत्व रखने वाले इस त्योहार को लेकर महिलाओं में उत्साह

नई दिल्ली। गुरूवार 29 अक्टूबर को देशभर में महिलाओं के सेबसे बड़ा त्योहार करवा चौथ का त्योहार मनाया जाएगा। इसके लिए राजधानी दिल्ली के साथ ही,उत्तर प्रदेश,मध्यप्रदेश,बिहार,हरियाणा और राजस्थान के बाजारों में महिलाओं की भीड़ बढ़ गई है। वहीं पुरूष भी अपनी पत्नियों को उपहार देने के लिए बाजार पहुंच रहे हैं। उत्तर भारत में विशेष महत्व रखने वाले इस त्योहार को लेकर विवाहित महिलाओं में उत्साह देखा जाता है। पर्व से पहले बाजारों में पारंपरिक परिधानों, चूड़ियों, आभूषणों, मेहंदी, सौंदर्य प्रसाधनों और पूजा सामग्री की मांग बढ़ने लगती है। घरों में भी सरगी, पूजा की थाली और अन्य तैयारियों का सिलसिला शुरू हो जाता है। करवा चौथ पर महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के साथ व्रत रखती हैं। यह त्योहार विशेष रूप से दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। अलग अलग क्षेत्रों में पूजा की विधियों और रीति रिवाजों में अंतर देखने को मिलता है। पारंपरिक मान्यता के अनुसार,करवा चौथ के दिन महिलाएं सूर्योदय से पहले सरगी ग्रहण करती हैं।



कई परिवारों में सास अपनी बहू को फल, मिठाइयां और अन्य खाद्य सामग्री देकर आशीर्वाद देती हैं। इसके बाद महिलाएं चंद्रोदय तक निर्जला व्रत रखती हैं। शाम को भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान गणेश और करवा माता की पूजा की जाती है तथा व्रत की कथा सुनी जाती है। करवा चौथ पर्व को लेकर शहर के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। सुहागिन महिलाओं में पर्व को लेकर खासा उत्साह है। बाजार में करवा,चलनी, दीया,चुनरी सहित पूजन और व्रत में उपयोग होने वाली सामग्रियों की दुकानें सज गई हैं। महिलाएं पर्व की तैयारियों के लिए जरूरी सामानों की खरीदारी कर रही हैं, जिससे दुकानदारों के चेहरे भी खिले हुए हैं। करवा चौथ का पर्व 29 अक्टूबर को पूरे श्रद्धा,आस्था और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। मनीषा सिन्हा, रानी साहू, बबीता साहू ने बताया कि करवा चौथ का सुहागिन महिलाओं के जीवन में विशेष महत्व है।

दिल्ली में आईएमए-आयुष का 40वां धन्वंतरि जयंती समारोह एक नवंबर को

कार्यक्रम में चिकित्सकों,शिक्षाविदों तथा अन्य विशिष्ट व्यक्तित्वों को होगा सम्मान

नई दिल्ली। इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए-आयुष) की ओर से 40वें भगवान धन्वंतरि जयंती समारोह का आयोजन एक नवंबर को यहां के एनडीएमसी ऑडिटोरियम में किया जाएगा। समारोह का उद्घाटन दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही करेंगे, जबकि दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के निदेशक डॉ. पीके प्रजापति करेंगे। संस्था के प्रवक्ता एवं लीगल कमेटी के अध्यक्ष डॉ. रामफल पांचाल ने एक बयान में कहा कि समारोह में आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के विकास, प्रचार-प्रसार और चिकित्सा सेवाओं में उल्लेखनीय योगदान



देने वाले चिकित्सकों, शिक्षाविदों तथा अन्य विशिष्ट व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाएगा। डॉ. पांचाल के अनुसार इस वर्ष धन्वंतरि अवॉर्ड से दिल्ली स्थित आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया कॉलेज के पूर्व प्राचार्य एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंस के पूर्व डीन डॉ. केके सिजोरिया और डाबर इंडिया लिमिटेड के निदेशक डॉ. दुर्गा प्रसाद को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सुश्रुत एवं चरक अवॉर्ड प्रदान किए जाएंगे। वहीं, संस्था के कार्यों में विशिष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को डॉ. जेएस पंवार मेमोरियल अवॉर्ड तथा डॉ. हरिशंकर देव शर्मा मेमोरियल अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। चिकित्सा क्षेत्र के साथ-साथ पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना भी संस्था की परंपरा रही है। इसी क्रम में इस वर्ष पत्रकारिता के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए सुश्री सर्जना शर्मा को विशेष सम्मान प्रदान किया जाएगा। डॉ. पांचाल ने बताया कि आईएमए-आयुष पिछले 40 वर्षों से भगवान धन्वंतरि जयंती समारोह का नियमित आयोजन करती आ रही है। संस्था आयुर्वेद एवं अन्य भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के विकास, संवर्धन तथा इनके स्नातकों के हितों के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

हैदराबाद में अभी से जल संकट,अक्टूबर में टैंकरों की मांग 233 प्रतिशत बढ़ी



गर्मियां शुरू होने से काफी पहले ही गंभीर जल संकट का सामना कर रहे लोग

हैदराबाद। गर्मियों से काफी पहले ही गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। मानसून खत्म होने के कुछ ही हफ्तों बाद,अक्टूबर में ही पानी के टैंकरों की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गई है। जल बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, इस महीने अब तक 62,565 टैंकरों की बुकिंग हुई है, जो पिछले साल की इसी अवधि के 18,806 टैंकरों की तुलना में 233 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्शाती है। आमतौर पर मार्च और अप्रैल में टैंकरों की बुकिंग में तेजी आती थी, लेकिन इस बार अक्टूबर में ही प्रतिदिन लगभग 8 हजार टैंकर बुक हो रहे हैं, जो स्थिति की गंभीरता को उजागर करता है। पानी की इस किल्लत का असर अब घरों से लेकर बड़े संस्थानों तक दिखाई दे रहा है। तेलंगाना के बासर स्थित एक विश्वविद्यालय में पानी की भारी कमी के चलते सोमवार से ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करने का फैसला लिया गया है,क्योंकि वहाँ रोजाना 25 लाख लीटर पानी की जरूरत के मुकाबले सिर्फ 10 लाख लीटर की आपूर्ति हो पा रही है। शहर के कई इलाकों में अपार्टमेंट और आईटी दफ्तर भी अब पानी के टैंकरों पर निर्भर होते जा रहे हैं। तेजी से गिरते भूजल स्तर और कम बारिश ने हालात को और मुश्किल बना दिया है, लगभग 20 हजार बोरवेल सूखने की जानकारी सामने आई है। हैदराबाद में इस साल बारिश भी औसत से काफी कम रही है। जहाँ सामान्य 627 मिलीमीटर के मुकाबले सिर्फ 458 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई,जो लगभग 27 प्रतिशत कम है। इसका सीधा असर भूजल स्तर पर पड़ा है, जो पिछले साल की तुलना में औसतन 22.5 फीट नीचे चला गया है। हैदराबाद को पानी उपलब्ध कराने वाले सिंगूर जलाशय की स्थिति भी चिंताजनक है। 17 अक्टूबर को इसकी कुल क्षमता (29.91 टीएमसी) का सिर्फ 11 प्रतिशत पानी ही बचा था। आकलन के मुताबिक, मौजूदा दर से पानी निकाला गया तो सामान्य आपूर्ति के लिए यह भंडार केवल 9 नवंबर तक ही पर्याप्त हो सकता है। इस गंभीर संकट से निपटने के लिए,जल बोर्ड ने लोगों से पानी की खपत 20 प्रतिशत तक कम करने की अपील की है। पानी की कमी के बीच अवैध बिक्री का मामला भी सामने आया,जहाँ एक झील के पास कुछ घरों में अवैध बोरवेल लगाकर पानी बेचा जा रहा था। ड्रोन की मदद से इसका पता चला और 15 बोरवेल हटाए गए। यह पानी का संकट केवल हैदराबाद तक सीमित नहीं है। केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार, देश के 178 प्रमुख जलाशयों में पानी का स्तर पिछले साल के मुकाबले काफी कम है, खासकर दक्षिण भारत में स्थिति अधिक गंभीर है। यदि बारिश और जल भंडारण की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो आने वाले महीनों में कई शहरों के लिए पानी की आपूर्ति एक बड़ी चुनौती बन सकती है।

भारतीय छात्र अब अमेरिका के बजाय नए देशों का कर रहे है रुख

नई दिल्ली। भारतीय विद्यार्थियों के विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के सपनों में अब एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। जहाँ पहले अमेरिका सबसे पसंदीदा गंतव्य हुआ करता था, वहीं अब नई पीढ़ी के छात्र नए विकल्पों की तलाश में हैं। अमेरिका की सख्त वीज़ा नीतियां, अत्यधिक ट्यूशन फीस, बढ़ते रहन-सहन के खर्च और पढ़ाई के बाद नौकरी के अवसरों में अनिश्चितता ने छात्रों को दूसरे देशों की ओर सोचने पर मजबूर कर दिया है। अब विद्यार्थी केवल किसी देश के ब्रांड नेम पर नहीं जाते, बल्कि वे अपनी पढ़ाई के रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि पढ़ाई में लगाया गया पैसा करियर ग्रोथ और भविष्य में सही भरपाई दे। इसी सोच के चलते भारतीय युवा अब यूरोप, एशिया और यहाँ तक कि लैटिन अमेरिका के कई उभरते शिक्षा केंद्रों का रुख कर रहे हैं। जर्मनी, आयरलैंड, जापान, दक्षिण कोरिया, नीदरलैंड्स और फ्रांस जैसे देश तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। जर्मनी अपनी मुफ्त या बेहद कम ट्यूशन फीस के कारण विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित छात्रों को आकर्षित कर रहा है, जहाँ पोस्ट-स्टडी वर्क परमिट भी मिलता है।



राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 28 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

आबादी तेजी से बुढ़ापे की ओर

मूडीज का जनसंख्या विमर्श इस लिहाज से उपयोगी है कि इससे फिर ध्यान इस ओर गया है, लेकिन यह एकांगी है क्योंकि मूडीज ने विकसित देशों की कसौटियां भारत पर लागू करने की कोशिश की हैं। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत की जनसंख्या संचरना में आ रहे बदलाव का उपयोगी, लेकिन एकांगी विश्लेषण प्रस्तुत किया है। यह उपयोगी इस लिहाज से है कि इससे फिर देश का ध्यान इस रुझान की तरफ गया है, लेकिन यह एकांगी है क्योंकि मूडीज ने सुझाव देते वक्त विकसित देशों की कसौटी भारत पर लागू करने की कोशिश की है। उसने ध्यान दिलाया है कि भारत की प्रजनन दर अब अपेक्षित प्रतिस्थापन स्तर (2.1) से नीचे गिर चुकी है। इस कारण आने वाले दशकों में भारत की आबादी तेजी से बुढ़ापे की ओर बढ़ेगी। फिलहाल आबादी अपेक्षाकृत युवा है, लेकिन देश के जनसांख्यिकीय ढांचे में बदलाव शुरू हो चुका है। इस तरह भारत अब उसी रास्ते पर है, जिस पर यूरोप और पूर्वी एशिया के देश पहले पहुंच चुके हैं। बहरहाल, इसके बाद मूडीज ने जो कहा है, वे घिसी-पिटी बातें हैं। मसलन, उसके मुताबिक आबादी के उम्रदराज होने से कामकाजी लोगों की संख्या में वृद्धि दर धीमी होगी, जिससे कुल आर्थिक विकास प्रभावित हो सकता है। कम कामकाजी लोगों पर अधिक संख्या में रिटायर्ड हो चुके बुजुर्गों को संभालने का बोझ बढ़ेगा, जिससे सरकारी खजाने, पेंशन प्रणाली, और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा। उधर उपभोक्ता बाजार में मांग घटने की समस्या आएगी। लोगों के बूढ़े होने से देश में बचत, निवेश, और वित्तीय बाजारों के ढांचे में बड़ा बदलाव आएगा। मगर ये बातें उन देशों में अधिक प्रासंगिक मालूम पड़ेंगी, जो अपनी श्रम शक्ति का पूरा उपयोग कर पा रहे हों। साथ ही जहां सामाजिक सुरक्षा का दुरुस्त इंतजाम हो। भारत कथित डेमोग्राफिक डिविडेंड (युवा आबादी के लाभ) के दौर में भी अपने कुशल एवं शिक्षित युवा हाथों को काम मुहैया करा पाने में नाकाम रहा है। इस कारण आबादी की तुलना में यहां का उपभोक्ता बाजार सीमित बना हुआ है, जो हाल के वर्षों में और अधिक असंतुलित हो गया है। देश में सामाजिक सुरक्षा व्यक्तियों की अपनी पूर्व योजना या फिर कैश ट्रांसफर के जरिए वोट खरीद योजनाओं पर निर्भर हैं। इन हकीकतों के बीच आबादी के पश्चिमी विमर्श की यहां न्यूनतम प्रासंगिकता ही है।

जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीण विकास को गति

विशाल कुमार जायसवाल

सरगुजा जिले में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और ग्रामीण विकास कार्यों से जुड़े उदाहरण इसी दिशा में आगे बढ़ते कदमों को दर्शाते हैं। नोनी सुरक्षा योजना, राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना, ग्रामीण रोजगार के अंतर्गत आजीविका डबरी तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी पहलें परिवारों को आर्थिक सुरक्षा, रोजगार और बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने में सहायक हो सकती हैं। इन योजनाओं का महत्व इस बात में है कि वे स्थानीय जरूरतों और संसाधनों को विकास के अवसरों से जोड़ती हैं। नोनी सुरक्षा योजना से बेटी के भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य के लिए समय रहते आर्थिक प्रावधान करना परिवारों को भरोसा प्रदान करता है। छत्तीसगढ़ शासन की नोनी सुरक्षा योजना के अंतर्गत अम्बिकापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कृष्णापुर निवासी श्रीमती मानती राजवाड़े की बेटी आंचल राजवाड़े को एक लाख रुपये का बॉन्ड प्राप्त हुआ है। यह बॉन्ड भारतीय जीवन बीमा निगम के माध्यम से उपलब्ध कराया गया है। मानती राजवाड़े के लिए बेटी की शिक्षा और भविष्य की जरूरतों की व्यवस्था करना महत्वपूर्ण है। योजना के अंतर्गत निर्धारित शर्तों के अनुसार बेटी के 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर मिलने वाली राशि का उपयोग आगे की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं के लिए किया जा सकेगा।

सरगुजा जिले में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और ग्रामीण विकास कार्यों से जुड़े उदाहरण इसी दिशा में आगे बढ़ते कदमों को दर्शाते हैं। नोनी सुरक्षा योजना, राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना, ग्रामीण रोजगार के अंतर्गत आजीविका डबरी तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी पहलें परिवारों को आर्थिक सुरक्षा, रोजगार और बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने में सहायक हो सकती हैं। इन योजनाओं का महत्व इस बात में है कि वे स्थानीय जरूरतों और संसाधनों को विकास के अवसरों से जोड़ती हैं। नोनी सुरक्षा योजना से बेटी के भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य के लिए समय रहते आर्थिक प्रावधान करना परिवारों को भरोसा प्रदान करता है। छत्तीसगढ़ शासन की नोनी सुरक्षा योजना के अंतर्गत अम्बिकापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कृष्णापुर निवासी श्रीमती मानती राजवाड़े की बेटी आंचल राजवाड़े को एक लाख रुपये का बॉन्ड प्राप्त हुआ है। यह बॉन्ड भारतीय जीवन बीमा निगम के माध्यम से उपलब्ध कराया गया है। मानती राजवाड़े के लिए बेटी की शिक्षा और भविष्य की जरूरतों की व्यवस्था करना महत्वपूर्ण है। योजना के अंतर्गत निर्धारित शर्तों के अनुसार बेटी के 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर मिलने वाली राशि का उपयोग आगे की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं के लिए किया जा सकेगा।



नोनी सुरक्षा योजना से बेटियों के भविष्य की तैयारी, डेयरी और मछली पालन से आय के नए साधनय ग्रामीण सड़कों से बेहतर हो रहा संपर्क ग्रामीण विकास का वास्तविक अर्थ केवल सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि लोगों को आजीविका के बेहतर साधन उपलब्ध कराना और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने के अवसर प्रदान करना भी है। जब बेटियों की शिक्षा के लिए आर्थिक सुरक्षा का आधार तैयार होता है, ग्रामीण परिवार पशुपालन और मछली पालन जैसी रोजगार परक गतिविधियों से आय बढ़ाते हैं तथा गांवों को बेहतर सड़क संपर्क जैसे अधोसंरचना मिलता है, तब विकास का लाभ व्यापक स्तर पर दिखाई देता है। सरगुजा जिले में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और ग्रामीण विकास कार्यों से जुड़े उदाहरण इसी दिशा में आगे बढ़ते कदमों को दर्शाते हैं। नोनी सुरक्षा योजना, राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना, ग्रामीण रोजगार के अंतर्गत आजीविका डबरी तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी पहलें परिवारों को आर्थिक सुरक्षा, रोजगार और बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने में सहायक हो सकती हैं। इन योजनाओं का महत्व इस बात में है कि वे स्थानीय जरूरतों और संसाधनों को विकास के अवसरों से जोड़ती हैं। नोनी सुरक्षा योजना से बेटी के भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य के लिए समय रहते आर्थिक प्रावधान करना परिवारों को भरोसा प्रदान करता है। छत्तीसगढ़ शासन की नोनी सुरक्षा योजना के अंतर्गत अम्बिकापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कृष्णापुर निवासी श्रीमती मानती राजवाड़े की बेटी आंचल राजवाड़े को एक लाख रुपये का बॉन्ड प्राप्त हुआ है। यह बॉन्ड भारतीय जीवन बीमा निगम के माध्यम से उपलब्ध कराया गया है। मानती राजवाड़े के लिए बेटी की शिक्षा और भविष्य की जरूरतों की व्यवस्था करना महत्वपूर्ण है। योजना के अंतर्गत निर्धारित शर्तों के अनुसार बेटी के 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर मिलने वाली राशि का उपयोग आगे की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं के लिए किया जा सकेगा। इससे भविष्य में उच्च शिक्षा से जुड़े खर्चों की व्यवस्था करने में परिवार को सहायता मिलने की उम्मीद है। यह पहल बेटियों के भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण है। डेयरी व्यवसाय से ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि सरगुजा जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कृषि के साथ पशुपालन की महत्वपूर्ण भूमिका है। डेयरी व्यवसाय किसानों और ग्रामीण परिवारों को नियमित आय का साधन उपलब्ध करा सकता है। राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना के अंतर्गत सहायता प्राप्त कर लमगांव निवासी मनोज कुमार पटेल ने अपने डेयरी व्यवसाय को आगे बढ़ाया है। मनोज कुमार पटेल प्रतिदिन लगभग 30 लीटर दूध का विक्रय कर करीब 1,200 रुपये की दैनिक आय अर्जित कर रहे हैं। उनके अनुसार, दूध की बिक्री से होने वाली मासिक आय में से खर्च निकालने के बाद लगभग 15 हजार रुपये की बचत हो रही है। पशुपालन के माध्यम से उन्हें नियमित आय का अवसर मिला है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिल रही है। डेयरी व्यवसाय की उपयोगिता इस बात में भी है कि इससे ग्रामीण परिवारों को केवल मौसमी कृषि आय पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। दूध उत्पादन और उसकी बिक्री से नियमित आर्थिक गतिविधि बनी रहती है। आजीविका डबरी से जल संरक्षण, खेती और मछली पालन को सहारा ग्रामीण क्षेत्रों में जल संसाधनों का संरक्षण आजीविका और कृषि विकास से सीधे जुड़ा हुआ है। वर्षा जल का संग्रहण सिंचाई की जरूरतों को पूरा करने के साथ मछली पालन जैसी गतिविधियों के लिए भी उपयोगी हो सकता है। ग्राम निवासी फूना राम पहाड़ी कोरवा की कहानी इसी दिशा में एक उदाहरण प्रस्तुत करती है। खाली पड़ी जमीन पर आजीविका डबरी का निर्माण किया गया, जिसमें वर्षा जल का संचय कर मछली पालन शुरू करने का अवसर मिला। इससे परिवार के लिए अतिरिक्त आय का साधन विकसित होने की संभावना बनी है। ग्रामीण रोजगार योजना के अंतर्गत निर्मित ऐसी परिसंपत्तियां स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर आजीविका के अवसर तैयार करने में सहायक हो सकती हैं। इसी तरह ग्राम के बाबूनाथ के खेत में डबरी के गहरीकरण से जल संग्रहण और सिंचाई की सुविधा बेहतर हुई। पानी उपलब्ध होने से उन्हें सब्जी उत्पादन में मदद मिली और मछली पालन की संभावनाएं भी विकसित हुईं। खेती और मछली पालन को एक साथ अपनाने से ग्रामीण परिवारों को आय के एक से अधिक स्रोत विकसित करने का अवसर मिल सकता है। जल संरक्षण के कार्यों को आजीविका से जोड़ने पर उनका महत्व और बढ़ जाता है। स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार डबरी का उपयोग सिंचाई, सब्जी उत्पादन और मछली पालन के लिए किया जा सकता है। इससे ग्रामीण रोजगार, कृषि उत्पादन और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग को प्रोत्साहन मिलता है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से ग्रामीण संपर्क व्यवस्था मजबूत ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की गति बढ़ाने के लिए सड़क संपर्क का बेहतर होना आवश्यक है। सड़कें गांवों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और रोजगार के अवसरों से जोड़ती हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत अम्बिकापुर-दरिमा-मैनपाट मार्ग से मानिक प्रकाशपुर तक 3.85 किलोमीटर लंबी सड़क का नवीनीकरण 57.83 लाख रुपये की लागत से पूरा किया गया। सड़क का नवीनीकरण होने से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बेहतर हुई है। ग्रामीणों, विद्यार्थियों, किसानों और अन्य राहगीरों को दैनिक जरूरतों के लिए आने-जाने में सुविधा मिलने के साथ आसपास के बाजारों और आवश्यक सेवाओं तक पहुंच बेहतर बनाने में सहायता मिलती है। अच्छी सड़कें कृषि उपज के परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और विद्यार्थियों के नियमित आवागमन के लिए भी उपयोगी हैं। इस प्रकार ग्रामीण अधोसंरचना में सुधार का लाभ अनेक क्षेत्रों में मिलता है। सड़क संपर्क मजबूत होने से ग्रामीणों के लिए उपलब्ध अवसरों तक पहुंच आसान होती है और क्षेत्र के समग्र विकास को आधार मिलता है। योजनाओं और स्थानीय संसाधनों से विकास को नई दिशा सरगुजा जिले में सामने आए ये उदाहरण ग्रामीण विकास के अलग-अलग पहलुओं को उजागर करते हैं। नोनी सुरक्षा योजना बेटियों के भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा का अवसर देती है, डेयरी व्यवसाय परिवारों को नियमित आय उपलब्ध कराने में मदद करता है और आजीविका डबरी जल संरक्षण के साथ खेती तथा मछली पालन को बढ़ावा देने की संभावनाएं पैदा करती है।

राशिफल



मेष राशिः आज आपकी हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जाएगा। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज आप अपनी संतान के साथ पिकनिक के लिए जा सकते हैं। उनके साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आज आप काम की क्वालिटी और बेहतर बनाने पर ध्यान दें। मार्केटिंग संबंधी गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी।

वृष राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए आज का दिन अच्छा है, किसी नई बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। आज कारोबारी गतिविधियों में व्यवस्था बनाकर रखना जरूरी है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वह सफल होगा। आज आपकी अच्छी सोच का अच्छा नतीजा मिलेगा। आपके रहने और बोलने का तरीका लोगों को आकर्षित करेगा। आज आपको अपनी पढ़ाई और करियर के प्रति ज्यादा मेहनत की जरूरत है।

कर्क राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आसपास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। आज कार्यस्थल पर चल रही किसी भी गतिविधि को नजरअंदाज न करें। अपनी योजनाओं को गुप्त ही रखें।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। कुछ समय से चल रही आपकी लगन और मेहनत का आज ज्यादा लाभ मिलने वाला है, इसलिए अपने काम पर ध्यान केंद्रित रखें। जीवनसाथी के साथ भावनात्मक रिश्ते मजबूत होंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आपके व्यापार की गति अच्छी रहेगी। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा। आज व्यवसाय संबंधी नई जानकारियां हासिल करना जरूरी है। मीडिया और ऑनलाइन कामों से जुड़े बिजनेस में फायदा होगा।

तुला राशिः आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज कुछ समय व्यक्तिगत कार्यों में बिताने से आप अपने आपको ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे। सामाजिक गतिविधियों में भी रुझान बढ़ेगा। फाइनेंस संबंधी गतिविधियां समय पर निपटा लेंगे। कुछ लोग जलन की भावना से आपके बारे में अफवाहें फैला सकते हैं, परंतु इन बातों को नजरअंदाज करके आप अपनी गतिविधियों में ही व्यस्त और मस्त रहें।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जाएगा। आज आपका व्यक्तित्व व रहन-सहन के प्रति अधिक सजग रहना लोगों के बीच आकर्षण का कारण बनेगा, समाज में आपकी छवि और अधिक निखरेगी।

धनु राशिः आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। बच्चों को आज पढ़ाई में मन लगाने की जरूरत है। आज परिवार संबंधी कोई समस्या हल हो जाने से आनंदित और हर्षित महसूस करेंगे। धार्मिक तथा आध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़ी गतिविधियों में भी कुछ समय बीतेगा।

मकर राशिः आज आपको किसी अपने से कोई अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज अपने बच्चों का आत्मबल बनाकर रखने में सहयोग अवश्य करेंगे। आज कर्मचारियों की मदद से बिजनेस की गतिविधियां ठीक तरह से चलती रहेंगी, जिससे आप बाकी कामों पर ध्यान देंगे।

कुंभ राशिः आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा कराएगी। आज घर में परिवारजनों के साथ मिल-जुलकर कुछ नवीनीकरण व साज-सज्जा को लेकर विचार-विमर्श रहेगा। आज ऑफिस में चल रहा प्रोजेक्ट पूरा होने से राहत मिलेगी, जिससे अन्य कामों पर भी ध्यान दे पाएंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज बिना सोचे-समझे किसी अजनबी पर भरोसा न करें। आज परिवार में आप सबसे सामंजस्य बनाकर रखेंगे। बेवजह की बातों पर ध्यान नहीं देंगे। साथ ही घर में नजदीकी रिश्तेदारों के आगमन से खुशनुमा माहौल बनेगा। किसी विशेष मुद्दे पर विचार-विमर्श रहेगा।

समावेशी और टिकाऊ भारत का ताना-बाना बुनना

सुश्री रूप राशि

हम भारत के गौरवान्वित नागरिक हैं—जो आज नामीनल जीडीपी की दृष्टि से विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है । आर्थिक विकास का एक बड़ा हिस्सा एमएसएमई क्षेत्र से संचालित होता है, जिसका देश की समग्र जीडीपी में एक-तिहाई योगदान है। इसमें भी ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों का प्रमुख योगदान है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से खादी और हथकरघा क्षेत्र जैसे कुटीर उद्योगों के साथ-साथ ग्रामीण कारीगरों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प उत्पादों पर निर्भर करती है। ऐसे समय में, जब दुनिया असमानता, जलवायु परिवर्तन और संसाधनों के क्षरण जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, वहीं आईटी और सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में एआई नौकरियों को लगातार निगलते हुए तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में, खादी और ग्रामोद्योग (केवीआई) सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के विज़न को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ये कम संसाधनों का उपयोग करके विभिन्न कौशल स्तरों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाकर स्थानीय स्तर पर पलायन को कम करने में भी सक्षम हैं। खादी—हाथ से काता और हाथ से बुना हुआ—भारत की आत्मा रही है। जिम्मेदार उत्पादन में ऊर्जा और जल का दक्षतापूर्वक उपयोग करते हुए प्राकृतिक रेशों का इस्तेमाल किया जाता है। विकास के वाहक के रूप में इसकी क्षमता को,धीमी गति से ही सही, लेकिन निर?तर मान्यता मिल रही है। हमारा उद्योग एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जो प्राचीन काल से चली आ रही है और मानव भावनाओं के व्यक्तिगत स्पर्श तथा अनुकरणीय कौशल के साथ विविध कलात्मक अभिव्यक्तियों को प्रदर्शित करती है। ऋग्वेद, रामायण, महाभारत, थालिया (यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस द्वारा रचित) और कौटिल्य से संबंधित विभिन्न लिखित ग्रंथों में न केवल कताई और बुनाई का उल्लेख मिलता है, बल्कि रेशम और कपास की उच्च गुणवत्ता का भी उल्लेख किया गया है। रामायण में कपास का उल्लेख संत के गुणों से जोड़कर किया गया है, वहीं विभिन्न प्रकार की बुनाइयां समृद्ध सांस्कृतिक ताने-बाने को दर्शाती हैं। हाथ से काते और हाथ से बुने 'जनसमूह द्वारा उत्पादित' खादी का उपयोग महात्मा गांधी जी ने उपनिवेशवादियों द्वारा बड़े पैमाने पर किए जाने वाले उत्पादन का मुकाबला करने के लिए किया था। स्वतंत्रता का यह वस्त्र आज अपने प्राकृतिक, आरामदायक और सतत् होने के विशिष्ट गुणों के कारण पसंदीदा फैशन स्टेटमेंट बनता जा रहा है। इसका हस्तनिर्मित स्वरूप इसे विशिष्ट पहचान प्रदान करता है और इसलिए इसे बड़े पैमाने पर होने वाले सामान्यीकृत उत्पादन के साथ मात्रा के स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की आवश्यकता नहीं है। खादी की यात्रा—स्वदेशी और स्वतंत्रता का एक प्रतीक होने से लेकर समकालीन फैशन और जीवनशैली की पसंद, विशेषकर पर्यावरण के प्रति जागरूक नई पीढ़ी की - बनने तक यह दर्शाती है कि कैसे परंपरा स?वयं को बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं के अनुरूप ढाल सकती है। वास्तव में, निकट-स्रोत उत्पादन की परंपरा, जो अधिक सतत् है, खादी पारिस्थितिकी तंत्र की अंतर्निहित शक्ति है। 21वीं सदी में, केवीआईसी हमारे अधिदेश में माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान—राष्ट्र के लिए खादी, फैशन के लिए खादी और परिवर्तन के लिए



खादी—से प्रेरणा लेते हुए कृषि, फाइबर और बाजार के बीच जुड़ाव को सुदृढ़ करने में योगदान दे रहा है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि हाथ से कताई, खादी और हथकरघा के बीच प्रमुख अंतरकारी विशेषता है। चूंकि सूत भी हाथ से तैयार किया जाता है, इसलिए उत्पादन की श्रम-प्रधान प्रकृति बड़ी संख्या में लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करती है। वितरित व्यवस्था के तहत तैयार किए गए हस्तनिर्मित लच?छों के एकत्रीकरण का कार्य करने वाली खादी संस्थाओं को पिछले सात दशकों से खादी और ग्रामोद्योग द्वारा सहायता प्रदान की जाती रही है। केवीआईसी के विभागीय और गैर-विभागीय प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से कौशल विकास और कौशल उन्नयन के ज़रिए क्षमता वृद्धि की जा रही है। देश की दो-तिहाई ग्रामीण आबादी को देखते हुए, इस क्षेत्र का विशेष महत्व है, क्योंकि यह ग्रामीण उद्यमियों के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराता है। इस प्रकार के हस्तक्षेप जमीनी स्तर पर लोगों के लिए आय सृजन के अवसर पैदा करके सीधे एसडीजी 1 (गरीबी उन्मूलन) और एसडीजी 8 (सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास) को आगे बढ़ाते हैं। हाल के उपाय, जिनमें खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा अप्रैल 2025 से कताई और बुनाई की मजदूरी में वृद्धि, कार्य उपकरणों, कार्य परिस्थितियों और उपकरण संबंधी अवसंरचना में सुधार के लिए अतिरिक्त सहायता तथा विपणन संबंधी सुविधाओं को बेहतर बनाना शामिल है, कारीगरों की आय बढ़ाने और पारंपरिक आजीविकाओं को आकर्षक तथा आर्थिक रूप से सतत् बनाने पर दिए जा रहे जोर को और अधिक प्रदर्शित करते समय के साथ, विशेष रूप से पिछले एक दशक के दौरान, खादी और ग्रामोद्योग (वीआई) पारिस्थितिकी तंत्र को लगातार सुदृढ़ किए जाने के कारण कुल उत्पादन लगभग 4,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि बिक्री लगभग 8,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। आगे बढ़ते हुए, आरामदायक वस्त्र के रूप में पहचाना जाने वाला खादी अब नई श्रेणियों और फैशन स?टेटमेंट का रूप ले रहा है। इसका परिवर्तन खादी डेनिम, डिजाइनर साड़ियों और ब्राइडल वियर, आधुनिक शर्ट और ट्राउज़र्स और रेमंड तथा पीटर इंग्लैंड जैसी मुख्यधारा की ब्रांडों के संग्रहों के रूप में स्पष्ट दिखाई देता है। एमएसएमई मंत्रालय और वस्त्र मंत्रालय की संयुक्त पहल के रूप में स्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर खादी (निफ्ट, दिल्ली) ने परिधानों की विभिन्न श्रेणियों, प्रिंट, बुनाई, कढ़ाई और पेंटिंग से युक्त घरेलू उत्पादों के संग्रह तथा साड़ी डिजाइनों सहित 2,129 खादी डिजाइन संग्रह विकसित किए हैं और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर खादी नॉलेज पोर्टल के माध्यम से खादी संस्थानों/इच्छुक उद्यमियों को सक्षम बनाने का कार्य जारी रखा है। शिशु परिधानों के क्षेत्र में हमारा प्रवेश इस तथ्य से प्रेरित है कि वैश्विक शिशु और बच्चों के कपड़ों का सेगमेंट बाजार के साल 2030 तक 60 अरब डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है (सीएजीआर 5ङ्क8.1 प्रतिशत के बीच), और इसमें जैविक कपास, हाइपोएलर्जेनिक कपड़ों तथा गैर-विषाक्त विनिर्माण प्रक्रियाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। 21वीं सदी के भारत के लिए ब्रांड की स्थिति को प्रतिबिंबित करने वाले नवयुग खादी डिजाइनों को प्रगति मैदान स्थित राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय एवं हस्तकला अकादमी में खादी नॉलेज पोर्टल के साथ लॉन्च किया गया। इनमें 710 नए उत्पाद शामिल हैं, जो समकालीन और नवोन्मेषी तरीके से नए भारत की नई खादी को प्रस्तुत करते हैं। सभी आयु वर्गों के लोगों, जेन ज़ी से लेकर दिल से युवा लोगों तक, को आकर्षित करने के लिए हाल ही में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वेलनेस/योग वियर का संग्रह 'स्वधा' भी लॉन्च किया गया है। खादी में रोजगार सृजन के लिए बहुत कम निवेश की आवश्यकता होती है। खादी विकास योजना, ग्रामोद्योग विकास योजना, पीएमईजीपी जैसी योजनाओं के माध्यम से सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे केवीआई संस्थानों/इकाइयों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सक्षम बनाया जा रहा है। सरकार वित्तीय सहायता, कार्यशील पूंजी की सुविधा, गुणवत्तापूर्ण कच्चे माल की सहायता, प्रशिक्षण, टूल-किट, मजदूरी क्षतिपूर्ति, विपणन सहायता, डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और सामाजिक सुरक्षा लाभों सहित सभी आवश्यक सहायता प्रदान करके पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित करने के लिए बड़े स्तर पर प्रयास कर रही है। अहमदाबाद स्थित ईडीआईआई द्वारा किए गए मूल्यांकन अध्ययन के अनुसार, जिसकी रिपोर्ट जनवरी 2026 में प्रस्तुत की गई, सभी योजनाओं के तहत 75 प्रतिशत से अधिक कारीगरों ने हस्तक्षेप के बाद अपनी आय में मापनीय वृद्धि बताई और उन कारीगरों के लिए वर्षभर का स?थायी रोजगार सृजित हुआ, जो पहले मौसमी या प्रवासी श्रम पर निर्भर थे। इससे वास्तव में श्रमिकों के पलायन को कम करने में मदद मिली। खाद्य प्रसंस्करण, अगरबत्ती और हनी मिशन के तहत प्रशिक्षित कारीगर सुगंधित तेल, सुगंधित मोमबत्तियों या मूल्यवर्धित शहद उत्पादों जैसे नए उत्पादों की श्रेणियों में विविधता लेकर आए हैं। इस विविधीकरण से स्थानीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव के प्रति वे अधिक सुदृढ़ हुए हैं। खादी महिला सशक्तीकरण की दिशा में सीधे योगदान देती है और इस प्रकार समावेशी विकास के उद्देश?य के अनुरूप है। लगभग पांच लाख खादी कारीगरों में से करीब 80 प्रतिशत महिलाएं हैं। अध्ययन के अनुसार, जीवीवाई योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी अधिक पाई गई, विशेष रूप से अगरबत्ती, हस्तनिर्मित कागज, हनी मिशन और सेवा उद्योग क्षेत्रों में। इसलिए, इस क्षेत्र में किसी भी रूप में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी ने उनके लिए सीधा पारिश्रमिक सुनिश्चित किया है, जिससे उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता और अपने घरों के भीतर तथा बाहर बढ़े हुए आत्मसम्मान के माध्यम से सशक्त बनाया जा रहा है। महिलाओं को उत्पादक आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने में सक्षम बनाकर, खादी सीधे एसडीजी 5 (स?त्री-पुरुष समानता) में योगदान देती है और साथ ही एसडीजी 10 (असमानताओं में कमी) के तहत सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को कम करने में भी सहायता करती है। हस्तनिर्मित उद्योग की वैश्विक मांग बढ़ रही है और इसमें निर्यात की अपार संभावनाएं हैं, जिनका दोहन किया जाना आवश्यक है। पारंपरिक हस्तनिर्मित उत्पादों की विशाल मात्रा और विविधता के साथ भारत विश्व में एक अपरिहार्य स्थान रखता है। वैश्विक हथकरघा उत्पादन का 85 प्रतिशत भारत में होता है और इस 'अंतर्निहित मूल्य' का लाभ उठाकर 'अधिक प्रतिफल' प्राप्त किया जा सकता है। श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश, कंबोडिया और इंडोनेशिया जैसे अन्य हथकरघा देश बहुत सीमित श्रेणी के उत्पादों का निर्माण करते हैं, लेकिन ये मुख्य रूप से घरेलू उत्पादन के लिए होते हैं। भारत में अपनी जनसांख्यिकीय बढ़त और विविध सांस्कृतिक विरासत के आधार पर खादी और हथकरघा उत्पादों की वैश्विक मांग को पूरा करने की अपार क्षमता है। दुनिया भर के उपभोक्ता हस्तनिर्मित, स्रोत का पता लगाने योग्य, प्राकृतिक और पर्यावरण की दृष्टि से जिम्मेदार उत्पादों में बढ़ती रुचि दिखा रहे हैं। यह खादी और हस्तनिर्मित उत्पादों को केवल पारंपरिक वस्तुओं के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे प्रीमियम उत्पादों के रूप में पुनर्स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है, जो प्रामाणिकता, शिल्प कौशल की समृद्ध विरासत और सततता को दर्शाते हैं। विदेश मंत्रालय के अंतर्गत अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास के ट्रेड पोर्टल पर केवीआईसी ने ईपीसी के रूप में पंजीकरण कराया है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 28 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

जड़ वाली सब्जियों के नाम और उगाने से जुड़ी जानकारी





गाजर (गाजर), चुकंदर (बीट्स), मूली (मूली) या अन्य जड़ वाली सब्जियां उगाना, तोरी (जुकीनी) या पोल बीन (पोल बीन) उगाने की तुलना में ज़्यादा मुश्किल हो सकता है। यदि आपका उगाना है कि जड़ वाली सब्जियां केवल ज़मीन पर ही उगाई जा सकती हैं, तो हम आपको बता दें कि, इन्हें आप गमले या ग्रो बैग में भी सफलतापूर्वक उगा सकते हैं। घर पर या किचन गार्डनिंग के तहत जड़ वाली सब्जियां सफलतापूर्वक उगाने के लिए आपको कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां होना ज़रूरी होता है, जिनके बारे में आप इस लेख के ज़रिए जान सकेंगे। रूट वेजिटेबल को उगाने की विधि क्या है?, सफलता के लिए जड़ वाली सब्जियों को कैसे उगा सकते हैं? रूट वाली वेजिटेबल्स की देखभाल से जुड़े टिप्स के बारे में जानने के लिए इस लेख को पूरा पढ़ें।

जड़ वाली सब्जियां क्या होती हैं

गाजर, चुकंदर और शलजम जैसी जड़ वाली सब्जियों का खाने लायक हिस्सा ज़मीन के अंदर बढ़ाता है। अर्थात जड़ वाली सब्जियों, पौधे का वह भूमिगत भाग होती हैं, जिनके सेवन मनुष्यों द्वारा किया जाता है। जड़ वाली सब्जियों को उगने में सबसे बड़ी चुनौती इसे समय पर कटाई करना है। इन सब्जियों को ज्यादातरत: शुरुआती वसंत के मौसम में रोपा जाता है। प्रभावी ढंग से विकसित होने के लिए, इस प्रकार की जड़ वाली सब्जियों को पर्याप्त जल निकासी वाली नम, रोपण मिट्टी की आवश्यकता होती है।

जड़ वाली सब्जियों के प्रकार

वेजिटेबल गार्डन में कई प्रकार की जड़ वाली सब्जियां ग्रो की जाती हैं, जैस :

- स्टेम कंद (स्टेम ट्यूबर्स) सब्जियां - जैस : आलू (आलू) यम , जेरूसलम आर्टिचोक , ओका ।
- जड़ कंद (रूट ट्यूबर्स) सब्जियां - जैस : शकरकंद (शकरकंद), युक्का , कसावा ,तुगी , जीकामा ।
- राइजोम सब्जियां - जैस : हल्दी ,अदरक इत्यादि।
- मूसला जड़ सब्जियां- जैस : गाजर, चुकंदर, डाइकॉन मूली, शलजम , रुतबागस, पार्सनिप, जिकामा, डाइकॉन , कोहलबी , सेलेरिएक इत्यादि।
- बल्ब रूट वेजिटेबल- जैस : लाल प्याज, सफेद प्याज, लहसुन , शैलोट्स और तारो, इत्यादि।
- कॉर्म्स- जैस : तारो, सिंघाड़ा , मलंगा वेजिटेबल) और एरोहेड वेजिटेबल , इत्यादि।

जड़ वाली सब्जियों के नाम

1. चुकंदर
2. मूली
3. गाजर
4. शलजम
5. आलू
6. हल्दी
7. अदरक
8. लहसुन
9. प्याज
10. शकरकंद (शकरकंद)
11. रुतबाग (रुतबागा या स्वीड)
12. अजवाइन (सेलेरियाक या सेलेरी रूट)
13. पार्सनिप (पार्सनिप)
14. कसावा (कैसावा)
15. जिकामा (जिकामा)
16. डाइकॉन (डाइकॉन)
17. शैलोट्स (शैलोट्स)
18. गलंगल (गलंगल)

जड़ वाली सब्जियों को कब उगाएं

सतही पर तेज गर्मी को छोड़कर जड़ वाली सब्जियों को साल भर किसी भी मौसम में पकाया जा सकता है। फिर भी, सभी जड़ वाली सब्जियों को कंटेनरों या गमलों में उगाने के लिए सर्दी का मौसम सबसे अच्छा होता है। चुकंदर, मूली, गाजर और शलजम आसानी से उगाने वाली, ठंडे मौसम की फसलें हैं। मुख्यत: अक्टूबर से दिसंबर तथा मार्च से मई तक का समय रूट वेजिटेबल्स को उगाने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है।

जड़ वाली सब्जियों को कैसे उगाएं

जड़ वाली सब्जियों को बीज के माध्यम से अंकुरित किया जाता है। ज्यामितीय को सीधे कंटेनर (गमले या ग्रो बैग) में बोया जाता है। पॉटिंग मिश्रण या तैयार की गई मिट्टी को कम से कम 12 इंच गहरा ग्रो बैग या गमले में भरकर रूट वेजिटेबल ज्यामितीय को ड्रु से 1 इंच गहराई पर रोपें। गमले या ग्रो बैग को पूरी धूप में रखना चाहिए। हालांकि आंशिक छाया में भी अच्छी तरह से ग्रो हो सकती हैं। रूट वेजिटेबल के बीज दो से तीन सप्ताह में अंकुरित होकर मिट्टी से बाहर आ जाते हैं। ध्यान रखें कि, रूट वेजिटेबल को एक निश्चित दूरी पर लगाया जाना चाहिए, जिससे कि जड़ को उगाने के लिए पर्याप्त जगह मिल सके।

जड़ वाली सब्जियों के लिए गमले का साइज

जड़ वाली सब्जियों को उगाने के लिए कम से कम 12 से 14 इंच की गहराई वाले कंटेनर का चयन करें। यदि आप अपने घर पर जड़ वाली सब्जियां लगाना चाहते हैं, तो उपलब्ध स्थान के आधार पर ग्रो बैग का चयन कर सकते हैं

जड़ वाली सब्जी लगाने के लिए मिट्टी कैसे तैयार करें -

बीज बोने से पहले मिट्टी को अच्छी तरह से रेक या गुड़ाई करना सुनिश्चित करें, ताकि मिट्टी अच्छी और उपजाऊ हो और उनकी जड़ें आसानी से फैल सकें। मिट्टी को हल्का और ढीला करने के लिए आप दोमट मिट्टी का चयन कर सकते हैं या फिर गार्डन की मिट्टी को तैयार करने के लिए निम्न सामग्री को मिलाकर पॉटिंग मिश्रण तैयार कर सकते हैं, जैस :

- मिट्टी
- कोकोपीट
- गोबर खाद
- वर्मीकम्पोस्ट
- रेत, परलाईट या वर्मीकुलाइट, इत्यादि।

मिट्टी, कोकोपीट और वर्मीकम्पोस्ट को सामान मात्रा में मिलाकर आदर्श पॉटिंग मिश्रण (पॉटिंग मिक्सचर) तैयार किया जा सकता है। रूट वेजिटेबल की देखभाल संबंधी टिप्स अच्छी वृद्धि और उच्च उत्पादन क्षमता विकसित करने के लिए आप निम्न टिप्स को ध्यान में रखकर जड़ वाली सब्जियों की देखभाल कर सकते हैं, जैस :

- रूट वेजिटेबल की अच्छी वृद्धि के लिए मिट्टी की विशेषताएं
- जड़ वाली सब्जियों को उगाने के लिए मिट्टी निम्न चीजों से परिपूर्ण होनी चाहिए, जैस :
- मिट्टी में उचित वायु संचार अर्थात पर्याप्त वायु निकासी हो
- गमले की मिट्टी पर्याप्त जल निकासी युक्त हो
- रूट वाली वेजिटेबल को बढ़ने में मदद करने के लिए मिट्टी पर्याप्त निकास होनी चाहिए।
- जड़ वाली सब्जियों को उगाने में मदद करने के लिए मिट्टी पर्याप्त मात्रा में होनी चाहिए। यदि मिट्टी बहुत अधिक संकुचित या पथरीली है, तो इन किस्मों की जड़ों में विकृति और कांटेदार हो जाएगी, तथा पूर्ण और स्वस्थ रूप से विकसित नहीं हो पाएगी।

जड़ वाली सब्जियों के लिए खाद और खाद

यदि आप जड़ वाली सब्जियों को उगाना चाहते हैं, तो ताजी खाद का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। जड़ वाली सब्जियों वाले गमले के तल पर अच्छी तरह से सड़ी हुई खाद की एक परत बिछाएं। इसके अतिरिक्त मिट्टी के ऊपर भी पुरानी गोबर खाद की 2 से 3 इंच मोटी परत बिछाना लाभकारी होता है। आमतौर पर जड़ बढ़ाने को प्रोत्साहित करने के लिए फॉस्फोरस और पोटेशियम में उच्च जैविक खादों का प्रयोग किया जाना चाहिए। मिट्टी में पोटाश की उचित मात्रा मिलाने के लिए आप लकड़ी की राख को खाद के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं, जो कि स्वस्थ जड़ विकास के लिए फायदेमंद होता है। उच्च नाइट्रोजन युक्त खाद का प्रयोग करने से रोकें, क्योंकि यह पौधों के बजाय पत्तों के विकास को बढ़ावा देते हैं।

जड़ वाली सब्जी के लिए धूप

कंद वाली सब्जियां या रूट वाली वेजिटेबल आंशिक सूर्य प्रकाश या पूर्ण सूर्य प्रकाश की उपस्थिति में अच्छी तरह से उगाती हैं। सर्दियों में जड़ वाली सब्जियों को विकसित करने के लिए 6 से 8 घंटे की धूप मिलनी आवश्यक होती है। हालांकि कुछ किस्में आंशिक छाया में भी उग सकती हैं।

रूट वाली सब्जियों के लिए पानी की जरूरत

जड़ वाली सब्जी लगे कंटेनर या ग्रो बैग में हर एक दिन के अंतर से पानी दिया जाना चाहिए। गमलों की मिट्टी में वाटर कैन के साथ हल्की किरणों के रूप में पानी दें। सुबह का समय पौधों को पानी देने का सबसे अच्छा समय माना जाता है।

रूट वेजिटेबल के लिए मिट्टी का पीएच

जड़ वाली सब्जियों की अच्छी वृद्धि के लिए मिट्टी का घनत्व पीएच 6 और 7 के बीच होना चाहिए।

जड़ वाली सब्जियों की फसलों से सुरक्षा

किसी भी कीट, कवक या अन्य संक्रमण के शुरुआती लक्षणों की तलाश करें। तथा फसलों पर संक्रमण के लक्षण दिखाई देने पर उचित दवाओं या जैविक कीटनाशकों का सेवन करें। कीट जड़ वाली सब्जियों की टहनियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कीटों से जड़ वाली सब्जियों को सुरक्षित रखने के लिए सहयोगी पौधे साथ-साथ उगाये जा सकते हैं, जो जड़ वाली सब्जियों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों के विरुद्ध लाभकारी कीटों को आकर्षित करते हैं। उदाहरण के लिए, सिलेंट्रो, कोलोराडो आलू बीटल का शिकार करने वाले लाभकारी कीड़े जैसे- होवरफ्लाइज , पैरासिटॉइड ततैया , और ग्रीन लेसविंग्स को आकर्षित कर आलू के लिए एक साथी पौधे के रूप में कार्य करता है। गाजर को प्रभावित करने वाली मक्खियों को दूर रखने के लिए, गाजर के साथ प्याज़ और लहसुन के पौधों को उगाना चाहिए।

जानें इनडोर प्लांट के नाम और देखभाल करने का तरीका

इंडोर प्लांट हर इंटीरियर डिजाइन (आंतरिक सजावट) का एक जरूरी हिस्सा है। इन्हें घर के काफी अधिक लोकप्रिय हैं क्योंकि अन्य पौधों की अपेक्षा इन हाउस प्लांट की देखभाल करना आसान है और इनकी कई किस्में घर की सजावट में काम आती है। सिर्फ इतना ही नहीं, इनडोर प्लांट हवा को भी प्यूरिफाई करते हैं। इसलिए आजकल बहुत से लोग अपने घरों में इनडोर प्लांट लगाना पसंद कर रहे हैं। अगर आप भी अपने घर में इनडोर प्लांट लगाना चाहते हैं तो इस आर्टिकल में हम आपको इनडोर प्लांट्स के नाम और इनडोर प्लांट की देखभाल करने के तरीके के साथ साथ इनडोर प्लांट कैसे लगाए और इन्हें रोगों से कैसे सुरक्षित रखें, इत्यादि के बारे में बताने जा रहे हैं।

इनडोर प्लांट क्या हैं?

इंडोर प्लांट ऐसे पौधे हैं जो घर के अंदर उगते हैं और विकसित होने के लिए कम मात्रा में प्रकाश और पानी की आवश्यकता होती है। ये विभिन्न प्रकार के उष्णकटिबंधीय पौधे होते हैं, जैसे पाम , जो इनडोर वातावरण में पनपते हैं।

इनडोर प्लांट के नाम

कुछ प्रमुख इंडोर पौधों के नाम इस प्रकार हैं-

1. स्नेक प्लांट- यह हवा को प्यूरिफाई करता है, और इसे अधिक पानी नहीं देना चाहिए, अन्यथा जड़ें सड़ सकती हैं।
2. पीस लिली- इसे हफ्ते में केवल एक बार पानी की जरूरत होती है।
3. एलोवेरा- एलोवेरा को ग्रो करने के लिए एक बार पानी देने के बाद जब तक गमले की मिट्टी ड्राई न हो जाए, तब तक दोबारा पानी नहीं देना चाहिए।
4. बम्बू प्लांट- यह आंशिक छाया में अच्छी तरह ग्रो करता है।
5. जेडजेड प्लांट - इस पौधे को अच्छी जलनिकासी वाली मिट्टी (well-drainage soil) की जरूरत पड़ती है।
6. बनी इयर कैक्टस- इस पौधे को ग्रो करने के लिए शुरूआत में पर्याप्त पानी की आवश्यकता होती है, लेकिन एक बार जड़ें मजबूत होने के बाद कम पानी की जरूरत होती है।
7. फर्न- यह पौधा कम रोशनी और कम पानी में अच्छी तरह ग्रो करता है। अधिक पानी देने से पत्ते पीले पड़ सकते हैं।
8. फ्लेमिंगो फ्लावर प्लांट- इसे अन्य इनडोर प्लांट के अलावा कम धूप की जरूरत होती है। यह 16-22 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान के बीच विकसित होता है।
9. एरिका पाम- एरिका पाम इनडोर प्लांट को खिड़की के पास या आंशिक छाया में रखा जाना चाहिए।
10. मनी प्लांट- सीधी धूप पड़ने से इस इंडोर पौधे की पत्तियां झुलस सकती हैं, इसलिए इसे कम धूप वाली जगह पर रखें।
11. ग्रीन स्पाइडर प्लांट- यह पौधा आर्टिफिशियल लाइट में भी अच्छी तरह ग्रो करता है।
12. क्रोटोन- इसे अधिक पानी न दें और ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें।
13. जेड प्लांट- जेड प्लांट को कम पानी की आवश्यकता होती है।
14. ड्रैगन ट्री- इसे विकसित होने के लिए कम धूप और मध्यम तापमान की आवश्यकता होती है।
15. रबर प्लांट - मध्यम रोशनी हो या पर्याप्त प्रकाश यह प्लांट आसानी से विकसित हो सकता है। रबर प्लांट को हर 1 से 2 सप्ताह में पानी देने की आवश्यकता होती है।

कुछ अन्य इनडोर प्लांट के नाम निम्नलिखित हैं-



- प्रेयर प्लांट
- ग्राफ्टेड फाइकस बोनसाई
- पैडल प्लांट
- डंब केन
- रेडिएटर प्लांट
- पत्थरचट्टा

कम रोशनी वाले इनडोर प्लांट

कुछ इंडोर प्लांट को उन स्थानों पर रखना उपयुक्त होता है जहां प्रकाश बहुत कम होता है। पौधे जिन्हें कम रोशनी की आवश्यकता होती है, उनमें शामिल हैं-

- फिलोडेंड्रोन
- पोथोस या डेविल्स आइवी) या मनी प्लांट
- ड्रैकेना
- पीस लिली

अच्छे इनडोर प्लांट की विशेषताएं

इनडोर प्लांट का चयन करते समय कई गुण देखे जा सकते हैं, जैसे-

- अच्छी जड़ प्रणाली- इनडोर प्लांट खरीदते समय यह जरूर देख लें, कि पौधे की जड़ें गमले से बाहर न निकली हों। अगर पौधा छोटा हो तो बेहतर है। इनडोर प्लांट की जड़ें स्वस्थ, मोटी और हल्के रंग की होती हैं।
- पत्ते - इनडोर प्लांट के पत्ते काफी मोटे होते हैं।
- रोग की जांच- कीट या रोग वाले पौधे के लक्षण हैं- ह्वाइट डॉट, पत्तियों पर चिपचिपा अवशेष और दुर्गंध। अत: इनडोर प्लांट खरीदते समय रोग की जाँच कर लें।

इनडोर प्लांट की कैसे करें देखभाल

अन्य पौधों की अपेक्षा इनडोर प्लांट की देखभाल करना बहुत आसान है। आइए जानते हैं, हाउस प्लांट की देखभाल कैसे करें?

इनडोर प्लांट के लिए पानी

इंडोर प्लांट की मिट्टी को नम रखें। अगर मिट्टी सूखी है या पौधे में बहुत अधिक पानी डाला गया है, तो दोनों ही स्थिति में पौधे की ग्रोथ रुक सकती है। जिन पौधों में रसीले ,मोटे पत्ते होते हैं, उन्हें मुलायम या कठोर पत्तों वाले पौधों की अपेक्षा अधिक पानी की आवश्यकता होती है। यदि मिट्टी की सतह पर फफूंद दिखे या कंटेनर की निचली सतह पर पानी दिखे, तो इसका मतलब है कि पौधे में पानी भर गया है। गमले में अधिक पानी भरा दिखे तो उसे बाहर निकाल दें। अगर गमले की मिट्टी का रंग हल्का हो जाए या मिट्टी में दरार आ जाए तो पौधे को निश्चित मात्रा में पानी देना चाहिए, ध्यान रहे मिट्टी में अधिक पानी नहीं देना है।

उचित जल निकासी वाले गमले और मिट्टी का चयन

जिस गमले में आप इनडोर पौधे को लगा रहे तो, यह सुनिश्चित कर लें कि उसमें जल निकासी के लिए छिद्र जरूर हों इसके अलावा इनडोर पौधों के रोपण के लिए उचित जल निकासी वाली मिट्टी तैयार कर पौधे का प्रत्यारोपण किया जाना चाहिए। अधिक पानी या कंटेनर में पानी के जमाव से पौधे नष्ट हो जाते हैं।

इनडोर प्लांट की देखभाल के लिए मिट्टी सतह की जाँच करें

मिट्टी की सतह को उंगली से दबा कर नमी का पता लगायें। यदि मिट्टी ड्राई है तो गमले में पानी डालें। हालांकि प्रत्येक पौधे को अलग-अलग पानी का आवश्यकता होती है। यदि पत्तियों का रंग खराब हो गया है, पत्तियों का विकास नहीं हो रहा है, पत्तियां गिर रही हैं या पत्तियों में धब्बे दिख रहे हों, तो पौधा निर्जलित हो गया है। अत: आवश्यक है कि मिट्टी नम बनी रहे।

इंडोर प्लांट्स के लिए धूप

प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया द्वारा भोजन तैयार करने के लिए पौधों को सूर्य के प्रकाश की आवश्यकता होती है। धूप की गुणवत्ता, समय और तीव्रता पौधे की वृद्धि को प्रभावित करती है। इनडोर पौधों को सीधी धूप में न रखें। इसे अच्छी रोशनी वाले कमरे में रखें, जिससे उन्हें पर्याप्त रोशनी मिले। कुछ पौधे धूप की जगह फ्लोरोसेंट लाइट में भी बेहतर ग्रोथ करते हैं। फूल वाले पौधों को प्रतिदिन 12 से 16 घंटे जबकि पत्तेदार पौधों को प्रतिदिन 14 से 16 घंटे प्रकाश की आवश्यकता होती है।

इंडोर प्लांट्स के लिए खाद और उर्वरक

इनडोर प्लांट जीवित रहने के लिए मिट्टी और खाद से सभी पोषक तत्व प्राप्त करते हैं। इसलिए पौधे को दोबारा लगाने अर्थात ट्रांसप्लांट करने और मिट्टी में नए पोषक तत्व डालने की जरूरत होती है। यदि आप पौधे को दोबारा नहीं लगाते हैं, या मिट्टी में नए पोषक तत्व नहीं डालते हैं, तो पौधा अंतत: मर सकता है। घर के पौधों में अच्छी ग्रोथ के लिए नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटैशियम समृद्ध खाद दी जा सकती है। फूल वाले इनडोर पौधे को अधिक पोटैशियम वाली खाद की आवश्यकता होती है। जबकि पत्ते वाले इंडोर प्लांट को नाइट्रोजन से भरपूर खाद की आवश्यकता होती है।

कमरे में नमी बढ़ाकर इनडोर पौधों की देखभाल करना

शुष्क हवा कुछ पौधों को नुकसान पहुंचा सकती है क्योंकि अधिकांश पौधों को नमी की आवश्यकता होती है। इनडोर प्लांट के लिए ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें, और इसे पौधे को हवा के माध्यम से नमी प्रदान करने के लिए इनडोर प्लांट के पास रख सकते हैं। पौधों को नमी देने के लिए स्प्रे का इस्तेमाल करें या नमी बढ़ाने के लिए आप अपने पौधों को एक दूसरे के करीब भी रख सकते हैं।

इनडोर पौधों को इधर-उधर ले जाने से बचें

पौधे समय के साथ अपने आप को परिवेश के अनुसार ढाल लेते हैं, इसलिए उनका बार-बार स्थान परिवर्तन न करें। स्थान परिवर्तित करने से तापमान में भारी परिवर्तन या अँधेरे क्षेत्र से सूर्य समृद्ध क्षेत्र में ले जाने से पौधे पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यदि आप पौधे को दूसरी जगह पर रखना चाहते हैं, तो शुरूआत में इसे दिन में सिर्फ एक घंटे के लिए नए स्थान पर ले और फिर धीरे-धीरे समय में वृद्धि कर नए स्थान पर रखने की कोशिश करें।

इंडोर प्लांट्स कटाई छटाई

गमले में लगे इनडोर प्लांट की अच्छी ग्रोथ के लिए पौधे को छांटने की जरूरत पड़ती है। इसलिए कौन से इनडोर प्लांट कितना बढ़ते हैं, यह जानना बेहद जरूरी है। नियमित अंतराल पर पौधे की छंटाई करने से मृत शाखाएं और तने बाहर निकल जाते हैं। इससे पौधे स्वस्थ रहते हैं और अच्छी तरह विकास करते हैं। अधिक मजबूत पौधे के विकास के लिए 45ए के कोण पर पत्ती के नोड के ऊपर छटाई करें।

इंडोर प्लांट्स के लिए आवश्यक जैविक कीटनाशक

इनडोर प्लांट में कीट लग सकते हैं। इन्हें सुरक्षित रखने के लिए पेट्रोलियम डिस्टिलेट को पानी में मिलाएं और पौधे को ऊपर से नीचे तक सभी पत्तियों पर स्प्रे करें। इसके अलावा कीटनाशक साबुन को पानी में घोलकर स्प्रे बोतल में भर लें और हर दो हफ्ते बाद घर के अंदर के पौधों पर स्पे करें। इसके अलावा कीटों से इनडोर प्लांट को सुरक्षित रखने के लिए नीम तेल, बेकिंग सोडा या एप्सम साल्ट के घोल का भी स्प्रे किया जा सकता है। इनडोर प्लांट न केवल सजावट के रूप में काम आते हैं, बल्कि हवा को भी शुद्ध करते हैं। यही कारण है कि गार्डन के अलावा लोग ऑफिस, घर, खिड़की और टेबल पर इनडोर प्लांट रखते हैं। इसलिए इनडोर प्लांट लगाना फायदेमंद होता है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 28 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

ईरान के खिलाफ व्यापक सैन्य अभियान शुरु करने अमेरिकी सेना अलर्ट पर

खुफिया एजेंसियों ने कहा- हमला हुआ तो ईरान भी करेगा भीषण जवाबी हमला



वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच मध्य पूर्व में जारी तनाव एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया। अमेरिकी सेना को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का निर्देश मिलते ही महज 96 घंटों में ईरान के खिलाफ व्यापक सैन्य अभियान की शुरुआत करने के लिए अलर्ट पर रखा गया है। पेंटागन और अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने संभावित सैन्य कार्रवाई के लिए रणनीतिक खाका तैयार कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना, वायुसेना और थल सेना के पर्याप्त संसाधन पहले से मौजूद हैं। यदि वाशिंगटन से अंतिम हरी झंडी मिलती है, तो यह कार्रवाई केवल सीमित रडार या मिसाइल साइटों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि ईरान के संपूर्ण ऊर्जा ढांचे, प्रमुख सैन्य कमानों और उसके गोपनीय परमाणु ठिकानों को भी निशाना बनाया जाएगा। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि यदि ईरान पर अमेरिका या इजराइल ने हमला किया तो ईरान और उसके सहयोगी संगठन तुरंत भीषण जवाबी हमला करेंगे। ईरान ने पहले ही चेतावनी दे चुका है कि वह किसी भी हमले का जवाब इतनी कठोरता से देगा कि इजराइल और क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकाने पूरी तरह तबाह हो जाएंगे। यमन के हूती विद्रोही भी इस युद्ध में कूद सकते हैं और खाड़ी के तेल समृद्ध देशों के बुनियादी ढांचे को निशाना बना सकते हैं। यदि हूती विद्रोही सऊदी अरब या यूएई की तेल रिफाइनरियों पर दोबारा हमले करते हैं, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था और तेल आपूर्ति श्रृंखला पूरी तरह चरमरा सकती है। इसी संभावित खतरे को देखते हुए अमेरिका अपने कई दूतावासों से गैर-जरूरी कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर रहा है। होर्मुज जो वैश्विक तेल व्यापार का सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, वहां भी सैन्य गतिविधियां चरम पर हैं। अमेरिकी नौसेना के शीर्ष अधिकारियों ने इस मार्ग का दौरा कर सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया है। अमेरिका का दावा है कि वह अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि ईरान ने इस जलमार्ग में बारूदी सुरंगे बिछाने और नाकेबंदी करने की धमकी दी है। इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी अमेरिका पर ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य कार्रवाई करने का दबाव बना रहे हैं। अमेरिकी प्रशासन मिडटर्म चुनावों और वैश्विक आर्थिक नतीजों को ध्यान में रखते हुए अंतिम फैसला लेने से पहले सभी पहलुओं का विश्लेषण कर रहा है।



हैब्रोन में कड़ी सुरक्षा के बीच ही इजरायली चैकपोस्ट से गुजरता हुआ एक फिलिस्तीनी वाहन चालक।

तेहरान में हुई बातचीत में यमन में स्थायी युद्धविराम के लिए शर्तों पर की गई चर्चा

सऊदी अरब की तेहरान में कूटनीतिक पहल, प्रिंस खालिद, मुनीर और इब्राहिम पहुंचे ईरान

रियाद। मिडिल ईस्ट में बढ़ते सैन्य तनाव और होर्मुज के बंद होने की आशंका के बीच सऊदी अरब ने अपनी सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए एक बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर और तुर्किये की खुफिया एजेंसी के प्रमुख इब्राहिम कालिन के साथ तेहरान का दौरा किया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन और उनके सुरक्षा सलाहकारों से सीधी बातचीत कर यमन के हूती विद्रोहियों के साथ जारी संघर्ष को रोकना और क्षेत्रीय शांति के लिए रास्ता तलाशना था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब के लिए यह युद्ध बेहद नुकसानदेह साबित हो रहा है। सऊदी अरब ऐतिहासिक रूप से अमेरिका का सबसे बड़ा सुरक्षा साझेदार है, लेकिन वर्तमान परिस्थिति में वह अपनी रिफाइनरियों और आर्थिक परियोजनाओं पर हूती हमलों का जोखिम नहीं उठा सकता। सऊदी अरब की कमाई का मुख्य जरिया तेल निर्यात है। होर्मुज में तनाव के कारण सऊदी अरब अपनी लाल सागर स्थित पाइपलाइनों के जरिए तेल भेजने की कोशिश कर रहा था, लेकिन हूती विद्रोहियों ने उन पाइपलाइनों और रियाद के हवाई अड्डों को भी मिसाइलों और ड्रोनों से निशाना बनाना शुरू कर दिया है। इससे प्रिंस सलमान के विजन 2030 के तहत चल रहे विदेशी निवेश और पर्यटन के सपनों को झटका लगा है। कूटनीतिक सूत्रों के मुताबिक तेहरान में हुई बातचीत में यमन में स्थायी युद्धविराम लागू करने के लिए वित्तीय और राजनीतिक शर्तों पर चर्चा की गई। कुछ अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में दावा किया गया है कि सऊदी अरब ने ईरान की मध्यस्थता के जरिए हूती-नियंत्रित क्षेत्रों के पुनर्गठन और वहां के कर्मचारियों के वेतन भुगतान के लिए एक अरब डॉलर की आर्थिक सहायता देने का प्रस्ताव रखा है। हालांकि सऊदी अधिकारियों ने इस वित्तीय सौदे की पुष्टि नहीं की है, लेकिन यदि यह समझौता होता है, तो इसे ईरान की एक बड़ी कूटनीतिक सफलता माना जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में बिगड़ेगा मौसम, भारी बारिश-बर्फबारी का अलर्ट जारी

काठमांडु। नेपाल में आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज बदलने वाला है, जहां पछुआ पवनों और बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवात के कारण हफ्ते के आखिर में मध्यम से भारी बारिश और बर्फबारी होने की प्रबल संभावना है। एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सप्ताह के मध्य से ही मौसम और अधिक अस्थिर होने की उम्मीद है। अगले पांच दिनों के दौरान हिमालयी और पहाड़ी क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में लगातार बारिश और बर्फबारी होने के आसार हैं, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हो सकता है। मौसम विभाग के विज्ञानी रोजन लामिछाने के अनुसार, सोमवार को देश के ज्यादातर हिस्सों में आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा, हालांकि हिमालयी क्षेत्र में कुछ स्थानों पर बादल छाए रहेंगे। सोमवार रात तक कोसी, बागमती, गंडकी और लुंबिनी प्रांतों के हिमालयी और पहाड़ी इलाकों में आंशिक रूप से बादल छाने की उम्मीद है, क्योंकि देश पर पछुआ पवनों का प्रभाव बढ़ने लगेगा। मंगलवार को कोसी, मधेश, बागमती और गंडकी प्रांतों के साथ-साथ कर्णाली और सुदूर पश्चिम प्रांतों के हिमालयी क्षेत्रों में भी आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। लामिछाने ने आगे बताया कि बुधवार से विशेषकर हिमालयी और पहाड़ी इलाकों में बारिश और बर्फबारी की संभावना काफी बढ़ सकती है। गुरुवार से शुक्रवार के दौरान कई जगहों पर मध्यम बारिश होने की प्रबल संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर भारी बारिश और एक-दो जगहों पर बहुत भारी बारिश भी हो सकती है। संभावित खतरे को देखते हुए मौसम विभाग ने पर्यटकों और पर्वतारोहियों से पर्वतीय क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरतने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

इजरायल में सरकार गठन पर आ सकतीं हैं उलझनें

तेलअवीव। इजरायल की जटिल निर्वाचन प्रणाली ने एक बार फिर सरकार गठन को अनिश्चितता के भंवर में धकेल दिया है। यहां की संसद, जिसे नेसेट कहा जाता है, में कुल 120 सीटें हैं और सरकार बनाने या बहुमत हासिल करने के लिए कम से कम 61 सांसदों के समर्थन की आवश्यकता होती है। आनुपातिक प्रतिनिधित्व वाली इस व्यवस्था में पूरा देश एक एकल निर्वाचन क्षेत्र होता है और मतदाता सीधे किसी व्यक्ति के बजाय राजनीतिक दल को वोट देते हैं। किसी पार्टी को कुल राष्ट्रीय वोट प्रतिशत के आधार पर सीटें मिलती हैं, लेकिन संसद में प्रवेश के लिए न्यूनतम 3.25 प्रतिशत वोट पाना अनिवार्य है। इसी बहुदलीय प्रणाली के चलते प्रायः किसी एक दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता और गठबंधन सरकारें ही बनती हैं। इस बार भी बेंजामिन नेतन्याहू की दक्षिणपंथी लिकुड पार्टी और पूर्व सैन्य प्रमुख गादी आइजेनकोट की अगुवाई वाले विपक्षी गठबंधन के बीच कड़ा मुकाबला है, लेकिन चुनावी सर्वेक्षणों में किसी भी प्रमुख ब्लॉक को स्पष्ट रूप से 61 सीटों का आंकड़ा मिलता नहीं दिख रहा। ऐसी स्थिति में इजरायल की राजनीति में अरब नागरिकों का प्रतिनिधित्व करने वाली राअम (यूनाइटेड अरब लिस्ट) पार्टी की भूमिका बेहद निर्णायक हो गई है। इस पार्टी के प्रमुख मंसूर अब्बास हैं और इसकी राजनीतिक पृष्ठभूमि इस्लामी विचारधारा से प्रभावित मानी जाती है। इजरायल की कुल आबादी का लगभग 20 प्रतिशत अरब नागरिक हैं, जो मतदान के अधिकार का प्रयोग करते हैं। मंसूर अब्बास की पार्टी राअम मुख्य रूप से इन्हीं अरब नागरिकों के नागरिक अधिकारों, बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण के मुद्दों पर केंद्रित रहती है। पिछली बार भी राअम पार्टी ने एक इजरायली गठबंधन सरकार में शामिल होकर इतिहास रचा था। इस चुनाव में पार्टी को करीब 5 सीटें मिलने का अनुमान है। यदि नेतन्याहू या विपक्षी गठबंधन बहुमत से थोड़ा दूर रह जाते हैं, तो ये 5 सीटें सत्ता का संतुलन तय करेंगी।

इथियोपिया में खूनी हमला: ईसाई चर्चों पर निशाना, 40 से अधिक की मौत

ओरोमिया। इथियोपिया के मध्य ओरोमिया में हाल ही में ऑर्थोडॉक्स ईसाई चर्चों और आसपास के गांवों पर हुए हथियारबंद हमलों में 40 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय निवासियों और एक पादरी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इन हमलों से क्षेत्र में दहशत फैल गई है। इथियोपिया का सबसे बड़ा राज्य ओरोमिया, लंबे समय से विद्रोह, सशस्त्र संघर्ष और जातीय तनाव का सामना कर रहा है। यहां हथियारबंद समूह अक्सर धर्म का इस्तेमाल कर समुदायों के बीच फूट डालने और अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश करते रहे हैं। मरने वालों की संख्या को लेकर अलग-अलग दावे सामने आए हैं। कुछ निवासियों ने 44 लोगों की मौत की पुष्टि की है, जबकि एक अन्य के अनुसार यह आंकड़ा 51 तक हो सकता है। एक चर्च के डीकन ने भी 46 मौतों की जानकारी दी है। हालांकि, इथियोपिया में मीडिया और स्वतंत्र पत्रकारों पर भारी पाबंदियों के चलते इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इलाके में धार्मिक तनाव बहुत ज्यादा है, और अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह एक बड़ा संकट बन सकता है। हमलों में दो चर्चों को निशाना बनाया गया और लोगों के कई घर भी तबाह कर दिए गए। सरकारी इथियोपिया ह्यूमन राइट्स कमीशन ने इस मामले पर ज्यादा जानकारी नहीं दी है, केवल इतना कहा है कि वह हालात पर नजर रख रहा है। हॉर्न ऑफ अफ्रीका में स्थित इथियोपिया कई आंतरिक संघर्षों से जूझ रहा है। ओरोमिया राज्य में लगभग 4 करोड़ लोग रहते हैं, जहां मुस्लिम, प्रोटेस्टेंट और ऑर्थोडॉक्स समुदाय एक साथ रहते हैं। यहां के झगड़ों की मुख्य वजह राजनीतिक और जातीय प्रतिनिधित्व से जुड़ी शिकायतें रही हैं, लेकिन लड़ाकों को संगठित करने के लिए धर्म का भी अक्सर इस्तेमाल किया जाता है। हमला किए गए चर्चों में से एक के डीकन ने इन दुखद हत्याओं पर गहरा सदमा व्यक्त किया है और सरकार से तुरंत हस्तक्षेप कर इलाके में सुरक्षा बहाल करने की अपील की है।

पसंदीदा संगीत सुनने से होता है मरीजों को अपेक्षाकृत कम दर्द

ज्यूरिख। नस में सुई लगाने जैसी प्रक्रियाओं के दौरान अपना पसंदीदा संगीत सुनने से मरीजों को अपेक्षाकृत कम दर्द महसूस होता है। यह कहना है शोधकर्ता वैज्ञानिकों का। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख विश्वविद्यालय अस्पताल के शोधकर्ताओं द्वारा यह अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में कुल 204 मरीजों को शामिल किया गया था, जिन्हें एमआरआई जांच से पहले नस में कैनुला लगाने की प्रक्रिया से गुजरना था। कैनुला एक पतली नली होती है जिसे दवाओं या तरल पदार्थों के लिए नस में लगाया जाता है। शोध का उद्देश्य यह जानना था कि विभिन्न प्रकार का संगीत सुई लगने के दौरान और उसके बाद होने वाले दर्द को कम करने में कितनी मदद कर सकता है। मरीजों को चार समूहों में बांटा गया- एक ने अपना पसंदीदा संगीत सुना, दूसरे ने मशहूर संगीतकार मोजार्ट की धुनें सुनीं, तीसरे ने आराम देने वाला संगीत सुना, और चौथे समूह को कोई संगीत नहीं सुनाया गया। अध्ययन के नतीजों में सामने आया कि जिन मरीजों ने अपना पसंदीदा संगीत सुना, उन्होंने सुई लगने के 30 सेकंड और दो मिनट बाद काफी कम दर्द महसूस किया। खास बात यह है कि जिन मरीजों को प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही दर्द था, उनमें पसंदीदा संगीत सुनने से सुई लगने के तुरंत बाद भी दर्द कम दर्ज किया गया।

बांग्लादेश ने चीन से छीना बड़ा बंदरगाह प्रोजेक्ट

ढाका। बांग्लादेश ने चीन को एक बड़ा रणनीतिक झटका देते हुए, उससे एक महत्वपूर्ण बंदरगाह विकास परियोजना छीन ली है। इस कदम को भारत के लिए एक अच्छी खबर माना जा रहा है, जो बंगाल की खाड़ी में चीन की बढ़ती व्यावसायिक और सैन्य मौजूदगी को लेकर चिंतित था। रिपोर्टों के अनुसार, बांग्लादेश की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सरकार ने देश के समुद्री बंदरगाहों के आधुनिकीकरण के लिए अन्य वैश्विक बंदरगाह संचालकों को ठेके दिए हैं। विशेष रूप से, चटगांव पोर्ट अथॉरिटी ने डेनमार्क के मार्स्क ग्रुप के साथ 30 साल का समझौता किया है।

सर्बिया में छात्र आंदोलन ने लिखी नई इबारत, वुसिच का राजनीतिक वर्चस्व समाप्त

बेलग्रेड,। सर्बिया के संसदीय चुनावों में एक बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला है, जहाँ छात्र समर्थित एक आंदोलन ने राष्ट्रपति पद छोड़कर संसदीय चुनाव लड़ रहे अलेक्जेंडर वुसिच को करारी शिकस्त दी है। शुरुआती चुनावी अनुमानों के मुताबिक, स्टूडेंट लिस्ट स्टूडेंट्स विन नामक गठबंधन को संसद में स्पष्ट बहुमत मिलने की संभावना है, जबकि वुसिच ने स्वयं अपनी हार स्वीकार कर ली है। यह नतीजा सर्बिया की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है, जहां 2012 से वुसिच और उनकी सर्बियाई प्रोग्रेसिव पार्टी (एसएनएस) का दबदबा रहा था। वुसिच ने बेलग्रेड में अपनी पार्टी मुख्यालय में समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि शुरुआती नतीजों के आधार पर यह स्पष्ट है कि उनकी पार्टी चुनाव हार गई है और स्टूडेंट लिस्ट ने जीत हासिल की है। स्टूडेंट लिस्ट के मुख्यालय में जीत का जश्न शुरू होते ही, प्रमुख उम्मीदवार और बेलग्रेड विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रादोमिर साइचिक ने इसे सर्बियाई नागरिकों के लिए एक ऐतिहासिक जीत करार दिया। उन्होंने कहा, आज रात लोगों की आवाज सुनी गई है। यह डर पर साहस की जीत है, उदासीनता पर उम्मीद की जीत है, और इस विश्वास की जीत है कि सर्बिया के विचार अलग हो सकते हैं और उसे अलग होना ही चाहिए। साइचिक ने अपने समर्थकों से शांति और गरिमा के साथ जश्न मनाने की अपील की। अपनी हार स्वीकार करते हुए अलेक्जेंडर वुसिच ने कहा कि उन्होंने अनुमानित परिणामों की घोषणा आधिकारिक नतीजों से पहले इसलिए की ताकि उनके समर्थकों में किसी तरह की अनिश्चितता न रहे और उन दावों को भी गलत साबित किया जा सके जिनमें कहा जा रहा था कि वे अपनी चुनावी हार मानने से इनकार कर देंगे।

इजरायल चुनाव: क्या नेतन्याहू की हार से रुक जाएगा ईरान युद्ध?

तेलअवीव। इजरायल में आज (मंगलवार को) आम चुनाव हो रहे हैं। मुकाबला प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी गादी आइजनकोट के बीच है। इस चुनाव के नतीजों को लेकर एक बड़ा सवाल यह है कि यदि नेतन्याहू चुनाव हार जाते हैं, तो क्या इससे ईरान के साथ इजरायल के सैन्य रवैये में कोई बदलाव आएगा? हालांकि, जानकारों का मानना है कि सत्ता परिवर्तन के बावजूद ईरान को लेकर इजरायल की नीति में कोई बड़ा परिवर्तन आने की संभावना कम है। गाजा पर हमले के बाद पहली बार चुनावी परीक्षा दे रहे बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रचार के दौरान जनता से उन्हें फिर से चुनने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर काम खत्म करना है तो उनकी सरकार फिर से बननी जरूरी है। नेतन्याहू ने दावा किया कि केवल वही अमेरिका को ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए मजबूर कर सकते हैं। नेतन्याहू के कार्यकाल में इजरायल ने गाजा के बाद लेबनान और फिर ईरान पर भी हमले किए हैं। हालांकि, अंदरूनी तस्वीर कुछ अलग है। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल ने साथ मिलकर हमला जरूर किया था, लेकिन बीते कुछ समय से दोनों देशों के बीच प्रतिबंधों और टैरिफ को लेकर असंतोष दिखाई दे रहा है।

जॉर्डन ने सीरिया पर की एयरस्ट्राइक, 8 नागरिकों की मौत



अम्मान। जॉर्डन की वायुसेना द्वारा दक्षिणी सीरियाई क्षेत्र में किए गए बड़े हवाई हमले के बाद मध्य पूर्व में कूटनीतिक और सैन्य तनाव काफी गहरा गया है। इस एयरस्ट्राइक में तीन बच्चों और एक बुजुर्ग सहित कम से कम आठ आम नागरिकों की मौत की खबर है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जॉर्डन की सेना ने दावा किया है कि यह कार्रवाई उसकी सीमा के भीतर स्थित एक ऐतिहासिक चर्च पर हुए जानलेवा हमले का सीधा जवाब थी। जॉर्डन का कहना है कि उसने सीरिया में मौजूद उन संदिग्ध आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया है, जिनका संबंध चर्च पर हुए हमले से था। हालांकि, सीरियाई सरकार ने इस सैन्य कार्रवाई पर कड़ा ऐतराज जताया है और इसे अपनी संप्रभुता का सीधा उल्लंघन करार दिया है। विरोध स्वरूप सीरिया ने जॉर्डन से लगती अपनी मुख्य सीमा क्रॉसिंग को पूरी तरह से बंद कर दिया है। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब जॉर्डन के दक्षिणी हिस्से में स्थित सेंट जॉर्ज ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च में एक अंतिम संस्कार के दौरान बंदूकधारियों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी थी। उस हमले में 9 लोगों की जान चली गई थी। जॉर्डन के सार्वजनिक सुरक्षा तंत्र ने मामले में तत्परता दिखाते हुए हज्जा जैदान मोहम्मद, मिशाल जैदान मोहम्मद और अहमद सामी हुसैन नामक संदिग्धों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय ने स्पष्ट किया था कि निर्दोषों की हत्या के जिम्मेदार लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इसी प्रतिबद्धता के तहत जॉर्डन की वायुसेना ने 26 अक्टूबर को सीरिया के दरआ प्रांत में सैन्य ऑपरेशन चलाया। जॉर्डन का तर्क है कि सीमा पार सक्रिय आतंकी समूह उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए निरंतर खतरा बने हुए हैं। दूसरी तरफ, सीरियाई विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा है कि जॉर्डन ने इस सैन्य ऑपरेशन को अंजाम देने से पहले सीरियाई प्रशासन को कोई पूर्व सूचना या चेतावनी नहीं दी थी। सीरिया के अनुसार, जॉर्डन का यह दावा कि उसने सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, पूरी तरह से गलत है क्योंकि इस हमले में मारे गए सभी लोग आम नागरिक थे। इस कड़े विरोध के तहत सीरिया ने नसीब बॉर्डर क्रॉसिंग को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का फैसला किया है, जिसे जॉर्डन में जेबर क्रॉसिंग के नाम से जाना जाता है। यह मार्ग दोनों देशों के व्यापार और यात्रियों की आवाजाही का मुख्य केंद्र माना जाता है। इस क्रॉसिंग के बंद होने से न केवल दोनों देशों के बीच माल ढुलाई ठप हो गई है, बल्कि पूरे क्षेत्र में आर्थिक और सुरक्षात्मक अनिश्चितता का माहौल बन गया है। फिलहाल दोनों देशों के कूटनीतिक अधिकारी स्थिति को संभालने के लिए संपर्क में हैं, लेकिन सीमा पर सेना की आवाजाही ने स्थिति को संवेदनशील बना दिया है।

यूएस की फोर्टेस योजना : युद्धकाल में सैन्य अड्डों का संचालन नहीं रुकेगा

वॉशिंगटन। अमेरिकी रक्षा विभाग ने फोर्ट्रेस नामक एक महत्वाकांक्षी योजना पर काम शुरू किया है। इसका उद्देश्य किसी बड़े युद्ध की स्थिति में अमेरिकी सैन्य अड्डों को कम से कम 90 दिनों तक अपने दम पर संचालित करने में सक्षम बनाना है। इस योजना का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि देश के महत्वपूर्ण सिस्टम या वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने पर भी सेना का कामकाज अप्रभावित रहे। फोर्ट्रेस योजना के तहत, अमेरिका के मुख्य भूभाग में स्थित सैन्य अड्डों को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा, ताकि वे बिजली, ईंधन, हथियारों और अन्य जरूरी सामान के लिए नागरिक बुनियादी ढांचे पर कम निर्भर रहें। इस योजना का एक बड़ा हिस्सा सैन्य अड्डों को बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है। इसके लिए छोटे, पोर्टेबल परमाणु रिएक्टर, बड़े बैटरी स्टोरेज सिस्टम और माइक्रोग्रिड जैसे विकल्पों पर काम करने की तैयारी है। माइक्रोग्रिड बिजली के ऐसे छोटे नेटवर्क होते हैं जो मुख्य ग्रिड से अलग होकर भी काम कर सकते हैं, जिससे लंबी बिजली कटौती की स्थिति में भी सैन्य अड्डे अपना काम जारी रख सकें।

हूती खतरे के बीच पाकिस्तान ने सऊदी भेजे सैनिक और मिसाइलें

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने सऊदी अरब को अपनी सैन्य सहायता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। उसने रक्षा उपकरण, वायु रक्षा प्रणालियाँ, मिसाइलें, रॉकेट, देश में बने ड्रोन और अतिरिक्त सैनिकों की नई खेप भेजी है। यह कदम क्षेत्र में बढ़ते तनाव और यमन के हूती विद्रोहियों से रियाद को हो रहे खतरे के बीच उठाया गया है। जानकारी के मुताबिक, इस्लामाबाद सितंबर 2025 में दोनों देशों के बीच साइन किए गए रणनीतिक आपसी रक्षा समझौते (एसएमडीए) के तहत सऊदी अरब को सैन्य सामान भेजना जारी रखे हुए है। इस समझौते के तहत, किसी एक देश के खिलाफ हमला दोनों के खिलाफ हमला माना जाएगा, जो इस्लामाबाद और रियाद के बीच लंबे समय से चली आ रही रक्षा साझेदारी को औपचारिक रूप देता है। नवीनतम खेप में वायु रक्षा प्रणालियाँ, मिसाइलें, रॉकेट और स्थानीय स्तर पर निर्मित ड्रोन शामिल हैं। इनका मुख्य उद्देश्य सऊदी अरब के महत्वपूर्ण शहरों और रणनीतिक स्थलों की सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत करना है, ताकि उन्हें हवाई खतरों से बचाया जा सके। रिपोर्टों के मुताबिक, पाकिस्तानी सैनिकों को लगातार छोटे समूहों में सऊदी अरब में तैनात किया जा रहा है। इन उपकरणों को ले जाने के लिए पाकिस्तान वायुसेना के परिवहन विमानों और सैन्य मालवाहक उड़ानों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस दौरान एक हवाई ईंधन भरने वाला विमान भी सऊदी हवाई क्षेत्र में पहुंचा था। पाकिस्तान दशकों से सऊदी अरब में अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए हुए है, जिसमें प्रशिक्षण और अन्य रक्षा सहयोग शामिल रहा है। हालांकि, तैनाती का पूरा पैमाना और ऑपरेशनल ब्योरा अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। सऊदी अरब को यमन के हूती विद्रोहियों सहित क्षेत्रीय ताकतों से अपने क्षेत्र और रणनीतिक ढांचे पर बढ़ता खतरा दिख रहा है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 28 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

भारत ए को जीत के लिए चाहिये 2 विकेट, न्यूजीलैंड ए 160/8





ऑकलैंड। उभरते हुए तेज गेंदबाज आकिब नबी की घातक गेंदबाजी से भारत ए ने मेजबान टीम न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहले अनऑफिशियल टेस्ट मैच पर शिकंजा कस दिया है। मैच के चौथे दिन आकिब की गेंदबाजी के सामने मेजबान बल्लेबाज असफल रहे ओर जीत के लिए मिले 313 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिन का खेल समाप्त होने तक कीवी बल्लेबाज दूसरी पारी में आउट होते चले गए। न्यूजीलैंड टीम नेजीत के लिए मिले 313 रनों के लक्ष्य के जवाब में चौथे दिन खराब रोशनी के कारण दिन का खेल समाप्त होने के समय तक 8 विकेट पर 160 रन बनाये। इससे पहले टीम ने टी-ब्रेक तक 132 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे, जिससे उनकी हार अब लगभग तय दिख रही है। भारतीय टीम अब इस मुकाबले को जीतकर सीरीज में बढ़त बनाने दो विकेट की जरुरत है।

पहली पारी में तीन विकेट लेने वाले नबी ने दूसरी पारी में भी तीन अहम विकेट लिए हैं, जिसने न्यूजीलैंड का बल्लेबाजी क्रम धवस्त हो गया। न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में विकेट गिरने की शुरुआत कप्तान राइस मारिउ के विकेट से हुई, जो सिर्फ 2 रन बनाकर आकिब की शानदार गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए। उसी ओवर में, आकिब ने टिम रॉबिन्सन को भी पवेलियन भेजकर कीवी टीम को 8 रनों के स्कोर पर दो शुरुआती झटके दिए। आकिब के अलावा दूसरे तेज गेंदबाज गेंदबाज आकाशदीप ने भी लगातार दबाव बनाए रखा, जिससे न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों के लिए रन बनाना और भी कठिन होता गया।

भारतीय टीम इस मैच की पहली पारी में केवल 113 रन पर ही सिमट गयी थी। वहीं न्यूजीलैंड ए ने अपनी पहली पारी में 317 रन बनाकर 204 रनों की विशाल बढ़त हासिल कर ली थी, जिससे भारतीय टीम मुश्किल में दिख रही थी और मैच उनकी पकड़ से दूर जाता दिख रहा था। हालांकि, दूसरी पारी में भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार जज्बा दिखाया और मैच का रुख पलट दिया। देवदत्त पडिक्कल ने 199 रनों की बेहतरीन पारी खेली, जिससे टीम को एक मजबूत आधार मिला। उनके अलावा, साई सुदर्शन (91 रन), यश राठौड़ (66 रन) और वॉशिंगटन सुंदर (52 रन) ने भी अर्धशतकीय योगदान दिए, जिससे भार ए ने अपनी दूसरी पारी में 516 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया और न्यूजीलैंड ए के सामने 313 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा।

अब अंतिम दिन न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों के लक्ष्य हासिल करना असंभव सा है। ऐसे में भारत ए टीम अब एकजीत से बस कुछ ही कदम दूर है। इस पूरे मुकाबले में आकिब नबी का ऑलराउंड प्रदर्शन टीम की सफलता की कुंजी साबित हुआ है और उन्होंने अपने शानदार खेल से सभी का ध्यान आकर्षित किया है।

आईपीएल 2027: गोवा में 16 दिसंबर को लगेगी करोड़ों की बोली

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी इस साल के अंत में 16 दिसंबर को गोवा में होगी। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की घोषणा के बाद से ही क्रिकेट प्रेमी नीलामी को लेकर उत्साहित हैं। इस नीलामी से पहले, सभी आईपीएल फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों को रिटेन करने की प्रक्रिया से भी गुजरेंगी। इस दौरान उन्हें देखना होगा कि इस दल में से कौन से खिलाड़ी बरकरार रखने हैं हालांकि इसको लेकर अंतिम फैसला 15 नवंबर को होगा। इसके बाद टीमें अपने कोर खिलाड़ियों को अंतिम रूप देंगी। इसके बाद गवर्निंग काउंसिल फ्रेंचाइजी नीलामी पूल में शामिल सभी खिलाड़ियों की एक सूची उपलब्ध कराएगी। इसके बाद, फ्रेंचाइजी इस सूची में से अपनी जरूरतों के अनुसार खिलाड़ियों पर बोली लगायेगी। नीलामी शुरू होने से ठीक एक सप्ताह पहले, प्रत्येक खिलाड़ी के नीलामी में आने का क्रम भी तय कर दिया जाएगा, जिससे टीमों को अपनी बोली लगाने की रणनीति को अंतिम रूप देने में मदद मिलेगी।

गौरतलब है कि पिछले आईपीएल सत्र के बाद से ही ट्रेड विंडो के माध्यम से खिलाड़ियों के स्थानांतरण की गतिविधि अभी नहीं रही है। कुछ शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, अब तक सिर्फ दो ही महत्वपूर्ण ट्रेड संपन्न हुए हैं, जो यह दिखाते हैं टीमें अपनी रणनीतियों को लेकर अभी भी सावधान हैं। आईपीएल नियमों के अनुसार, ट्रेड विंडो आमतौर पर एक सीजन के समाप्त होने के एक महीने बाद खुलती है और आगामी खिलाड़ियों की नीलामी से ठीक एक सप्ताह पहले तक सक्रिय रहती है। यह विंडो फ्रेंचाइजी को अपने स्क्वाड को संतुलित करने, कमजोरियों को दूर करने और रणनीतिक रूप से खिलाड़ियों की अदला-बदली करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। वहीं नीलामी की तारीखों के ऐलान के साथ ही, सत्र की शुरुआत की तारीखों को लेकर भी अटकलें लगायी जाने गई हैं। प्रशंसक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि लीग कब शुरु होगी।

अपेक्षाओं के दबाव से प्रभवित हो रही वैभव की बल्लेबाजी

मुम्बई। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर अपेक्षाओं का दबाव बढ़ता जा रहा है । इससे उनके प्रदर्शन पर भी प्रभाव पड़ सकता है। वैभव जितनी तेजी से आगे आये हैं। उससे उनसे काफी उममीदे जग गयी हैं। वहीं जब वह उम्मीदों के अनुसार रन नहीं बना पाते हैं तब उनपर इसका दबाव देखा जा सकता है। न्यूजीलैंड दौरे पर दूसरे टी20 मैच में वह रनों के लिए संघर्ष करते दिखे। वहीं जब वह असफल हुए तो उनपर सवाल उठने लगे। इसके अलावा पिछले कुछ समय में उनका प्रदर्शन पहले की तरह नहीं रहा है और वह संघर्ष करते दिखे हैं। वैभव जब अपने स्वाभाविक अंदाज में मैदान पर उतरते हैं, तो उनका आक्रामक बल्लेबाजी विपक्षी टीम पर तुरंत दबाव बना देता है। उनकी यह निडरता, कुछ अलग कर दिखाने का अंदाज और खेल के प्रति समर्पण उन्हें अन्य प्रतिभाओं से अलग बनाता है। वहीं आधुनिक क्रिकेट की तेजी से बदलती दुनिया में प्रसिद्धि, पैसा और लोकप्रियता जितनी रफ्तार से मिलती है, जिम्मेदारियों का बोझ भी उतनी ही तेजी से बढ़ जाता है। यह भारी भरकम बोझ और अपेक्षाओं का दबाव कई बार एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी के स्वाभाविक खेल पर बुरी तरह हावी हो जाता है, जिससे उनकी प्रतिभा दबने लगती है।यहीं कुछ वैभव के साथ हो रहा है। कम उम्र में ही उन्हें जो उपलब्धियां हासिल हुई हैं। उससे प्रशंसकों की उनसे उपेक्षा बढ़ गयी है। आईपीएल नीलामी में 1.1 करोड़ रुपये की बड़ी रकम मिलना, 440 गेंदों में 1,000 रन पूरे करने का गौरव, महज 11 गेंदों में विस्फोटक अर्धशतक जड़ना और एक सीजन में 72 छक्कों की आतिशबाजी उनके आक्रामक रुख और असाधारण क्षमता को दर्शाती है। इन शानदार उपलब्धियों ने उनसे उम्मीदों के आसमान छूने जैसी स्थिति पैदा कर दी है। परंतु यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि किसी भी खिलाड़ी की महानता का फैसला केवल कुछ रिकॉर्डों या आंकड़ों से नहीं होता। असली महानता उसके पूरे करियर की निरंतरता, उतार-चढ़ाव से उबरने और सबसे बढ़कर कठिन परिस्थितियों में शानदार वापसी करने की क्षमता से तय होती है।

इरफान पठान 42 साल के हुए

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान मंगलवार को 42 साल के होग गये। इस अवसरा पर उन्हें प्रशंसकों ओर साथ खिलाड़ियों ने बधाई दी है। इरफान ने काफी कम उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। 27 अक्टूबर 1984 में वडोदार में जन्मे पठान ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में कई असाधारण मुकाम हासिल किए। वह टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बने और 2007 के टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की जीत में उनकी अहम भूमिका रही। अपनी असाधारण प्रतिभा और गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने की क्षमता के बल पर इरफान ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। उन्हें पहले भारत की अंडर-15 टीम में शामिल किया गया, जहाँ उन्होंने अपनी गेंदबाजी से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। इसके बाद, उन्होंने अंडर-19 टीम में भी जगह बनाई और घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम में जगह बनाने की राह प्रशस्त की। इरफान ने टीम इंडिया के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच ऑस्ट्रेलिया की धरती पर मिला। अपने टेस्ट डेब्यू में भले ही वे कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए पर इसके बाद उनका प्रदर्शन निरंतर बेहतर होता गया। साल 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही उन्होंने अपना वनडे डेब्यू भी किया। उनके करियर का सबसे बड़ा पल साल 2006 में आया, जब उन्होंने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ कराची में एक टेस्ट मैच में लगातार तीन गेंदों पर तीन विकेट लेकर सनसनी मचा दी। यह उपलब्धि उन्हें टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाला पहला भारतीय तेज गेंदबाज बनाती है, जिसने उन्हें भारतीय क्रिकेट इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए दर्ज कर दिया। गेंदबाजी के साथ-साथ, इरफान ने अपनी बल्लेबाजी क्षमता से भी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान देना शुरू कर दिया, जिससे वह एक बेहतरीन ऑलराउंडर के रूप में उभरे। पठान ने भारत के लिए 29 टेस्ट मैचों में 100 विकेट लेने के साथ-साथ 1105 रन भी बनाए।

आईपीएल सत्र से पहले सीएसके से अलग हुए हसी सहित पांच कोच

चेन्नई। आईपीएल फ्रैंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने कहा है कि पांच प्रमख कोच उससे अलग हो गयी है। इसमें बल्लेबाजी कोच माइकल हसी भी शामिल हैं। सीएसके ने सोशल मीडिया हैंडल्स के जरिये ये घोषणा की है। इससे पहले टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग के उससे अलग हो गये थे। उनकी जगह अब पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान के पास मुख्य कोच की जिम्मेदारी है। ऐसे में सहयोगी स्टाफ भी उन्हीं के अनुसार होगा। गौरतब है कि ऑस्ट्रेलिया के हसी साल 2008 से ही सीएसके का हिस्सा हैं। सीएसके ने बल्लेबाजी कोच के तौर पर उनके योगदान की प्रशंसा की है। हसी के अलावा गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने भी टीम को अलविदा कहा है। साल 2018 से ही चेन्नई के की कोचिंग टीम में शामिल रहे सिमंस ने टीम की गेंदबाजी इकाई को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनकी जगह अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहित शर्मा को गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनके अलावा, सहायक कोच राजीव कुमार, फिजियो टॉमी सिमसेक और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच ग्रेग किंग ने भी अपने पद छोड़ दिये हैं। राजीव कुमार ने खिलाड़ियों के विकास और टीम की रणनीतिक तैयारियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जबकि टॉमी सिमसेक 2008 से ही टीम के साथ रहकर खिलाड़ियों को फिट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे। ग्रेग किंग ने सुपर किंग्स को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने और हर सीजन में बेहतरीन प्रदर्शन करने में मदद की। फ्रेंचाइजी ने इन सभी दिग्गजों की वर्षों की सेवा और योगदान के लिए आभार जताया है। ये बदलाव तब आया है जब सीएसके आईपीएल 2027 के लिए अपने को नए सिरे से तैयार कर रही है। इन अनुभवी कोचों का जाना निश्चित रूप से टीम के लिए एक बड़ी चुनौती और साथ ही नए विचारों और रणनीतियों को अपनाने का अवसर भी है। जहीर और मोहित के मार्गदर्शन में सीएसके का लक्ष्य पहले वाला स्थान हासिल करना रहेगा।



पेरिस में फुटबॉल लीग मुकाबले में खेलती हुई पेरिस सेंट जर्मेन और ओलंपिक ल्योनिसिस टीम।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

टाटा मोटर्स ने इवेको अधिग्रहण में पार किया अहम पड़ाव

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने इतालवी वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता इवेको ग्रुप के अधिग्रहण की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर पार कर लिया है। कंपनी ने अपनी पेशकश के तहत आवश्यक न्यूनतम हिस्सेदारी से अधिक शेयर सफलतापूर्वक हासिल कर लिए हैं, जिससे 3.8 अरब यूरो (लगभग 38,240 करोड़ रुपये) के इस महत्वपूर्ण सौदे के पूरा होने का रास्ता साफ हो गया है। यह अधिग्रहण टाटा मोटर्स को वैश्विक वाणिज्यिक वाहन बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा। नियामकीय सूचना के अनुसार, अस्थायी नतीजों से पता चला है कि पेशकशकर्ता (टीएमएल सीवी होल्डिंग्स बीवी) के पास इवेको की 89.42 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जो संशोधित 80 प्रतिशत की न्यूनतम सीमा से कहीं अधिक है। 26 अक्टूबर को समाप्त हुई पेशकश अवधि के दौरान, इवेको ग्रुप के कुल 23.816 करोड़ साधारण शेयरों की पेशकश की गई, जो कंपनी की कुल साधारण शेयर पूंजी का लगभग 87.81 प्रतिशत है। यह अधिग्रहण 2008 में फोर्ड से जगुआर लैंड रोवर को खरीदने के बाद टाटा मोटर्स का सबसे बड़ा अधिग्रहण होगा। टाटा मोटर्स ने शुरुआत में इवेको के लिए प्रति शेयर 14.10 यूरो की पेशकश की थी, जिसे बाद में 9 अक्टूबर को बढ़ाकर प्रति शेयर 14.40 यूरो (लाभांश सहित) कर दिया गया था। इस सौदे में इवेको का रक्षा कारोबार शामिल नहीं है और इसका अनुमानित मूल्य लगभग 3.8 अरब यूरो है। इस अधिग्रहण का प्राथमिक उद्देश्य इवेको के स्थापित परिचालन और उत्पाद पोर्टफोलियो के माध्यम से वैश्विक वाणिज्यिक वाहन बाजार में टाटा मोटर्स की मौजूदगी का विस्तार करना है। नियामक सूचना में यह भी बताया गया है कि शुरुआती स्वीकृति अवधि के दौरान पेशकश किए गए शेयरों के लिए कुल भुगतान राशि 3.43 अरब यूरो बैठती है, जिसका भुगतान 30 अक्टूबर को किया जाना है।

बाजार में हलचल! जियोब्लैकरॉक पेश करेगा दो नए म्यूचुअल फंड

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक नई खबर है। जियोब्लैकरॉक म्यूचुअल फंड जल्द ही बाजार में अपनी दो नई स्कीमेंङ्क जियोब्लैकरॉक लाइफ साइकल फंड 2056 और जियोब्लैकरॉक अल्ट्रा शॉर्ट टर्म फंड ङ्क पेश करने वाला है। इन फंडों का उद्देश्य निवेशकों की अलग-अलग वित्तीय जरूरतों को पूरा करना है, एक दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि पर केंद्रित है, जबकि दूसरा कम अवधि में आय हासिल करने का लक्ष्य रखता है। हालांकि, इन स्कीमों के लिए न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) की सटीक तारीखें अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई हैं और इन्हें सेबी के पास जमा किए गए ड्राफ्ट दस्तावेजों में भी स्पष्ट नहीं किया गया है।1. जियोब्लैकरॉक लाइफ साइकल फंड 2056 यह एक ओपन-एंडेड स्कीम है, जिसे विशेष रूप से वर्ष 2056 के अनुरूप दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें एक पूर्व-निर्धारित मैच्योरिटी और ग्लाइड-पाथ की सुविधा होगी, जिसका अर्थ है कि निवेश का आवंटन समय और लक्ष्य के अनुसार रणनीतिक रूप से समायोजित किया जाएगा। यह फंड इक्विटी, डेट, कमोडिटी और अन्य निवेश इंस्ट्रूमेंट्स में पैसा लगाएगा। इसका बेंचमार्क निफ्टी 500 टीआरआई को 70 फीसदी, निफ्टी कंपोजिट डेट इंडेक्स को 25 फीसदी, घरेलू सोने की कीमत को 3 फीसदी और घरेलू चांदी की कीमत को 2 फीसदी वेटेज देकर बनाया गया है। एनएफओ के दौरान इस स्कीम की एक यूनिट 10 रुपये में उपलब्ध होगी। 2. जियोब्लैकरॉक अल्ट्रा शॉर्ट टर्म फंड यह एक ओपन-एंडेड डेट स्कीम है, जिसका मुख्य उद्देश्य कम अवधि में निवेशकों के लिए आय हासिल करना है। यह फंड डेट और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करेगा, जिसकी मैकॉले अवधि 3 से 6 महीने के बीच रखी जाएगी। मैकॉले अवधि बॉन्ड से मिलने वाले नकदी प्रवाह के समय को मापने का एक तरीका है।

जीएसटी नियमों में बदलाव की तैयारी, छोटे कारोबारियों को मिलेगी राहत

1 नवंबर से चरणबद्ध तरीके से लागू होगी पूरी प्रक्रिया



नई दिल्ली। केंद्र सरकार माल और सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली को सरल बनाने और कारोबारियों का बोझ कम करने के लिए बड़े सुधारों की तैयारी कर रही है। ये बदलाव चरणबद्ध तरीके से लागू होंगे, जिनका उद्देश्य टैक्स रिफंड में तेजी लाना, अनुपालन को आसान बनाना और पूरी कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाना है। विशेष रूप से छोटे व्यापारियों को इन सुधारों से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के एक सदस्य के अनुसार जिन सुधारों के लिए कानून में बदलाव की आवश्यकता नहीं है, उन्हें 1 नवंबर से चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। वहीं कानूनी संशोधनों वाले बदलावों के लिए 1 अप्रैल 2027 का लक्ष्य रखा गया है। 5 करोड़ रुपये से कम टर्नओवर वाले बी2सी (बिजनेस-टू-कंज्यूमर) आपूर्तिकर्ताओं के लिए अब साल में एक बार रिटर्न दाखिल करने और हर तीन महीने में टैक्स का भुगतान करने की नई व्यवस्था को मंजूरी मिली है। 5 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले छोटे कारोबारियों पर, जो देय तिथि वाले महीने में रिटर्न दाखिल करते हैं, देरी के बावजूद लेट फीस नहीं लगेगी। पात्र मामलों में रिफंड की स्वचालित मंजूरी की व्यवस्था लागू होगी, जिससे भविष्य के दावों में लगने वाला समय कम होगा। हालांकि, यह व्यवस्था लंबित पुराने मामलों पर लागू नहीं होगी। 1 अप्रैल 2027 से लागू होने वाले कानूनी संशोधनों में गिरफ्तारी से जुड़े कुछ प्रावधानों को हटाना, अभियोजन की सीमा को तर्कसंगत बनाना और ई-वे बिल के नियमों में बदलाव शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए 10,000 रुपये की न्यूनतम सीमा प्रस्तावित है, जिससे छोटे मामलों में अनावश्यक कानूनी कार्रवाई से बचा जा सकेगा। सरकार फर्जी बिलों और गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट के दावों को रोकने के लिए तकनीक आधारित जांच को भी मजबूत कर रही है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 8 अक्टूबर 2026 को हुई 57वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में टैक्स दरों में बदलाव पर चर्चा नहीं हुई। बैठक का मुख्य फोकस अनुपालन को आसान बनाना, आईटीसी से जुड़ी समस्याओं को कम करना और रिफंड प्रक्रिया को तेज करना था। टैक्स दरों में बदलाव पर फैसला अगली बैठक में हो सकता है।

विशालकाय एयरबस ए340-600 ने भरी अंतिम विदाई उड़ान

नई दिल्ली। उड्डयन इतिहास के एक स्वर्णिम अध्याय का अंत हो गया है। विशालकाय एयरबस ए340-600 ने अपनी अंतिम व्यावसायिक यात्री उड़ान पूरी कर हमेशा के लिए आसमान को अलविदा कह दिया। जर्मन विमानन कंपनी लुफ्थांसा की वाशिंगटन से फ्रैंकफर्ट पहुंची फ्लाइट एलएच419 इस ऐतिहासिक चार-इंजन वाले विमान की अंतिम नियमित यात्री सेवा रही। वर्ष 2002 में अपनी पहली व्यावसायिक उड़ान भरने वाला एयरबस ए340-600 लगभग 75.3 मीटर लंबा था, जिसने इसे एक समय दुनिया का सबसे लंबा यात्री विमान बनाया था। चार शक्तिशाली रोल्स-रॉयस इंजनों से लैस इस विमान को अत्यधिक लंबी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया था। इसकी एक अनूठी विशेषता लुफ्थांसा के कुछ विमानों में मुख्य यात्री केबिन के नीचे स्थित शौचालय थे, जहां सीढ़ियों से पहुंचा जाता था, जिससे केबिन में बैठने की अधिक जगह मिलती थी। करीब 23 वर्षों के कार्यकाल में लुफ्थांसा ने इस मॉडल के 24 विमानों का संचालन किया और चार करोड़ से अधिक यात्रियों को सेवाएं दीं। हालांकि, चार इंजन होने के कारण इसका ईंधन खर्च और रखरखाव बहुत महंगा साबित हो रहा था। आधुनिक और अधिक किफायती दो-इंजन वाले विमानों जैसे बोइंग 777 और एयरबस ए350 के आगमन से इसकी मांग घट गई। लुफ्थांसा अब अपने पुराने विमानों को हटाकर नए और पर्यावरण-अनुकूल विमानों को अपने बेड़े में शामिल कर रही है।

इस सप्ताह चार दिन बंद रहेगें बैंक

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आधिकारिक कैलेंडर के मुताबिक, इस सप्ताह देश के विभिन्न शहरों में बैंक शाखाएं चार दिनों तक बंद रहेंगी। यदि आपको बैंक से कोई महत्वपूर्ण काम निपटाना है, तो जाने से पहले अपने शहर की छुट्टियों की सूची जरूर जांच लें। ये छुट्टियां स्थानीय त्योहारों और राज्यों के आधार पर तय की गई हैं, जिसके कारण यह नियम पूरे देश में एक साथ लागू नहीं होगा। सप्ताह की शुरुआत 26 अक्टूबर को महर्षि वाल्मीकि जयंती, लक्ष्मी पूजा और एक्सेशन डे के अवसर पर अगरतला, चंडीगढ़, जम्मू, शिमला और श्रीनगर में बैंक रहे।

अनूप बागची से एचडीएफसी बैंक के सीईओ एवं एमडी का पद संभाला

नई दिल्ली। अनूप बागची ने एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पदभार संभाल लिया है। बैंक ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उनके पूर्ववर्ती शशिधर जगदीशन ने अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद सोमवार को पद छोड़ दिया। आईसीआईसीआई समूह में लंबे समय तक काम कर चुके बागची, एचडीएफसी बैंक के तीन दशक से अधिक के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाले पहले बाहरी व्यक्ति हैं। इससे पहले वह आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ थे। बागची ऐसे समय में एचडीएफसी बैंक से जुड़े हैं, जब बैंक कई चुनौतियों से जूझ रहा है। इनमें मुख्य आय में वृद्धि एवं 'मार्जिन' से जुड़ी चुनौतियां भी शामिल हैं जिनके कारण निवेशक सतर्क हो गए हैं। बागची ने बैंक की आय पर आयोजित एक बैठक में कहा कि आवास वित्त क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एचडीएफसी के साथ 2023 में हुए विलय से जुड़ा कुछ काम अभी पूरा किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा कि वह बैंक को बेहतर ढंग से समझने के लिए सभी संबंधित पक्षों से मुलाकात करेंगे।



दुबई में अल फेस्टीवल में एक हयूमेनाइड रोबोट बेस मॉडल के साथ ही तस्वीरों के लिए पोज देते हुए एक व्यक्ति। इस इवेंट में आधुनिक तकनीक और नई खोजों के बारे में जानकारी दी गयी है।

कमजोर मानसून का असरः रबी फसलों की बुवाई धीमी, गेहूं रकबा घटा

नई दिल्ली । कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार कमजोर दक्षिण-पश्चिम मानसून के कारण इस साल रबी फसलों की बुवाई धीमी गति से चल रही है। 23 अक्टूबर तक गेहूं का रकबा पिछले साल के मुकाबले 50 फीसदी से अधिक घटकर मात्र 11,000 हेक्टेयर रह गया है, जबकि पिछले वर्ष यह 27,000 हेक्टेयर था। इस स्थिति ने आगामी फसल उत्पादन पर चिंता बढ़ा दी है। प्रमुख रबी फसल गेहूं की बुवाई आम तौर पर अक्टूबर-नवंबर में होती है, लेकिन जून-सितंबर के दौरान 13 फीसदी कम मानसून वर्षा ने मिट्टी की नमी और जलाशयों के जलस्तर को बुरी तरह प्रभावित किया है। सिंचाई की आवश्यकता वाली इस फसल के लिए पानी की कमी से बुवाई में देरी, रकबे में कमी और अंततः पैदावार पर असर पड़ने की आशंका है। मंत्रालय ने 2026-27 के लिए 12.1 करोड़ टन गेहूं उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जो पिछले साल के रिकॉर्ड उत्पादन से थोड़ा अधिक है। पंजाब और राजस्थान, जो देश के कुल गेहूं रकबे का लगभग 31 फीसदी हिस्सा हैं, क्रमशः 38 फीसदी और 22 फीसदी कम बारिश का सामना कर रहे हैं। इन क्षेत्रों में सिंचाई की कमी राष्ट्रीय स्तर पर गेहूं बुवाई को प्रभावित कर सकती है। इसके अतिरिक्त, वर्षा आधारित क्षेत्रों जैसे राजस्थान, मध्य प्रदेश और बुंदेलखंड में भी जोखिम बढ़ गया है। अन्य रबी फसलों में, धान, दलहन और तिलहन का रकबा भी पिछले साल की तुलना में कम दर्ज किया गया है, जबकि मोटे अनाज की बुवाई में मामूली वृद्धि हुई है। कुल रबी बुवाई 18.02 लाख हेक्टेयर रही, जो पिछले वर्ष के 28.26 लाख हेक्टेयर से काफी कम है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 28 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

मुख्यमंत्री डॉ.यादव से मिले मप्र वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ.सनवर पटेल

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भेंट की। इस दौरान उन्होंने सऊदी अरब में उमराह के लिए गए प्रदेश के यात्रियों की सुरक्षित और शीघ्र भारत वापसी के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में पहल करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को डॉ. सनवर पटेल ने इस संबंध में पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव को संबोधित पत्र में लेख है कि पश्चिमी एशिया की वर्तमान परिस्थितियों और हवाई सेवाओं में व्यवधान के कारण सऊदी अरब में उमराह के लिए गए अनेक यात्रियों को निर्धारित अवधि से अधिक समय तक रुकना पड़ रहा है। जिससे उनके आवास,भोजन,दवाइयों और अन्य आवश्यकताओं पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ रहा है। प्रभावित यात्रियों के परिजन भी उनकी सुरक्षित वापसी को लेकर चिंतित हैं। पत्र में प्रकरण की गंभीरता एवं मानवीय पहलू को दृष्टिगत रखते हुए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय से समन्वय स्थापित कर मध्य प्रदेश के प्रभावित उमराह यात्रियों की सुरक्षित तथा शीघ्र भारत वापसी के लिए आवश्यक पहल करने का मुख्यमंत्री डॉ. यादव से अनुरोध किया।

भाजपा कार्यालय में मंत्री विजय शाह ने सुनीं कार्यकर्ताओं की समस्याएं

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याएं और सुझाव सुने। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिन मामलों में विभागीय कार्रवाई आवश्यक है,उन्हें आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। मंत्री विजय शाह ने कहा कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से सामने आने वाली जनसमस्याओं का गंभीरता से परीक्षण किया जाएगा और उनके समाधान के लिए प्राथमिकता के आधार पर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का निराकरण करना और उन्हें शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ दिलाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल के नेतृत्व में संगठन जनसमस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्राप्त शिकायतों और सुझावों पर संबंधित स्तर पर कार्रवाई कर समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया जाएगा।

दीवाली त्योहर के मद्देनजर जेपी हॉस्पिटल में बर्न वार्ड बनाया गया

भोपाल। दीवाली के लिए भोपाल के जयप्रकाश (जेपी) हॉस्पिटल में बर्न वार्ड तैयार किया गया है। 5 बिस्तरों वाले इस वार्ड में सांस से पीड़ित मरीजों को भी भर्ती किया जाएगा। सीएमएचओ डॉ.मनीष शर्मा ने वार्ड की तैयारियां देखीं। आने वाले त्योहारों और मौसम में परिवर्तन को देखते हुए अस्पताल में पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्थाओं के लिए सीएमएचओ डॉ.शर्मा निरीक्षण कर रहे हैं। इसके तहत वे जेपी हॉस्पिटल में पहुंचे थे, यहां आईसीयू,अस्थि रोग,आकस्मिक चिकित्सा इकाई,जनरल ओपीडी,मेडिसिन, शिशु रोग विभाग, श्वसन रोग विभाग की सेवाओं को देखा और निर्देश दिए। सीएमएचओ डॉ. शर्मा ने जयप्रकाश अस्पताल में बनाए गए बर्न वार्ड का मुआयना किया। दीपावली को देखते हुए अस्पताल में 5 बिस्तरों का वार्ड बनाया गया है, जो कि विशेष रूप से पटाखों से जलने की दुर्घटनाओं के इलाज के लिए बनाया गया है। सीएमएचओ ने निरीक्षण के दौरान सांस से जुड़ी बीमारियों एवं समस्याओं के लिए ऑक्सीजन सिस्टम, नेबुलाइजर, वेंटिलेटर की क्रियाशीलता एवं दवाइयों की उपलब्धता की जांच की। सीएमएचओ डॉ.शर्मा ने बताया कि शीतकाल एवं अत्यधिक आतिशबाजी से प्रदूषण बढ़ने की संभावना रहती है। इसे देखते हुए अस्पतालों में सभी आवश्यक तैयारियां को सुनिश्चित किए जाने के संबंध में कहा गया है।

कांग्रेस कार्यालय पर हमले के विरोध में पुलिस कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

भोपाल। कांग्रेस कार्यालय पर कथित हमले और घटना के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं व एक पत्रकार के घायल होने के मामले में मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस मुख्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने, जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने तथा घटना के दौरान पुलिस की भूमिका की भी जांच करने की मांग की। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय का घेराव कर हमला किया। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि राजनीतिक मतभेदों को हिंसा के बजाय लोकतांत्रिक तरीके से व्यक्त किया जाना चाहिए। कांग्रेस ने यह आरोप भी लगाया कि घटना के दौरान उसके कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। पार्टी ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले में निष्पक्षता बरतने की मांग की। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने पत्रकारों से चर्चा में कहा कि घटना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को चोटें आई हैं। उनके मुताबिक, वरिष्ठ पत्रकार संदीप भी घायल हुए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। कांग्रेस ने पत्रकार के घायल होने को गंभीर बताते हुए घटना की जांच और उनके मामले में उचित कार्रवाई की मांग की।

राष्ट्रीय पोषण माह 2026 में मध्यप्रदेश, देश में तीसरे स्थान पर रहा : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले मंत्रियों को किया संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में सेवा-संकल्प अभियान व्यापक जनभागीदारी के साथ संचालित हुआ। सेवा-संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा सेतु अभियान के तहत प्रदेश में एक हजार 345 शिविर लगाए गए, जिनमें 17 लाख 18 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए तथा 15 लाख 83 हजार आवेदकों को हितलाभ प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने यह जानकारी मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने कहा कि सेवा ज्योति यात्रा में लगभग एक हजार 600 यात्राएं निकलीं जिनमें लगभग 15 हजार ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र कवर किए गये तथा 11 लाख से अधिक नागरिकों की सहभागिता रही। सेवा मेरा योगदान में कुल 11 प्रकार की सेवाओं में 50 लाख से अधिक नागरिकों की सहभागिता हुई। नमो सेवा के अंतर्गत 665 नुक्कड़ टोलियाँ बनी और 3 हजार 700 से अधिक प्रस्तुतियाँ हुई। सेवा के रंग- राष्ट्र के संग के अंतर्गत6 जिलों क्रमशः इन्दौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, झाबुआ और आलीराजपुर में ह्यूमन रंगोली बनाई गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि पी.एम. धन-धान्य कृषि योजना में प्रदेश के 05 जिलों को बेहतर प्रदर्शन के लिए भारत सरकार द्वारा सम्मानित किया जा रहा है। इन जिलों में डिण्डौरी, सीधी, उमरिया टीकमगढ़ और शहडोल शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पी.एम.धन-धान्य कृषि योजना में अच्छे काम के लिए कृषि मंत्री एंदल सिंह कंषाना सहित सभी संबंधित जिलों के कलेक्टर और कृषि विभाग के अधिकारियों को हार्दिक बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह 2026 में प्रदेश ने देशभर में तीसरा स्थान हासिल किया है। प्रदेश में पोषण जागरुकता से जुड़ी लगभग 2 करोड़ गतिविधियों की प्रविष्टियां दर्ज की गईं,मंदसौर और नीमच ने राष्ट्रीय स्तर पर क्रमशः पहला और दूसरा स्थान हासिल किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा सभी अधिकारियों को बधाई दी।

विश्व व कौशल प्रतियोगिता में जय अहिरवार ने दिखाई अपनी प्रतिभा



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि चीन के शंघाई में हुई विश्व कौशल प्रतियोगिता में प्रदेश के इकलौते प्रतिनिधि के रूप में पन्ना जिले के पुरैना गाँव के युवा अजय अहिरवार शामिल हुए। किसान पुत्र श्री अहिरवार,मेसन ट्रेड में आई.टी.आई.कर रहे है। ईटें जोड़ने के कौशल की प्रतियोगिता में वे प्रथम स्थान पर रहे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा अहिरवार की सराहना की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अहिरवार को हार्दिक बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रदेश में होने वाले आगामी बड़े आयोजनों की जानकारी देते हुए बताया कि 28 अक्टूबर को इंदौर में अर्बन कॉन्क्लेव होगा। सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाएगा। मध्य प्रदेश स्थापना दिवस 1 नवंबर के उपलक्ष्य में कृषि वर्ष पर केन्द्रित 03 दिवसीय आयोजन होगा। गोवर्धन पूजा के अवसर पर वृंदावन ग्रामों के अच्छे पशुपालकों की प्रतियोगिता कराई जाएगी। प्रथम तीन विजेताओं को गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

प्रदेशभर में अवैध पटाखों दुकानों को लेकर पुलिस की बड़ी कार्रवाई



आवासीय क्षेत्रों में अवैध भंडारण,बिना लाइसेंस बिक्री पर व्यापक कार्रवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा दीपावली पर्व के दौरान आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित आगजनी एवं विस्फोट की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रदेशभर में अवैध पटाखों के निर्माण,भंडारण, परिवहन एवं बिक्री के विरुद्ध व्यापक कार्रवाई की जा रही है। विगत 10 दिनों में की गई इन प्रभावी कार्रवाइयों में 45 लाख रुपए से अधिक मूल्य के अवैध पटाखे एवं विस्फोटक सामग्री जब्त की गई है। साथ ही पोटाश एवं कार्बाइड गन सहित अन्य असुरक्षित उपकरणों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई है। इन कार्रवाइयों का उद्देश्य त्योहार के उल्लास के बीच नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और नियमों का उल्लंघन कर जनसुरक्षा को खतरे में डालने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करना है। त्योहारों के दौरान पटाखों की मांग बढ़ने के साथ ही अवैध भंडारण, बिना लाइसेंस बिक्री और रिहायशी इलाकों में विस्फोटक सामग्री रखने से गंभीर दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। इसे ध्यान में रखते हुए पुलिस द्वारा सूचना के आधार पर दबिश,दुकानों एवं गोदामों की जांच, परिवहन की निगरानी तथा विभिन्न स्थानों पर एक साथ चेकिंग कर कार्रवाई की जा रही है। सागर पुलिस ने त्योहारों के मद्देनजर जिलेभर में 100 से अधिक स्थानों पर एक साथ चेकिंग करते हुए 10 प्रकरणों में लगभग 3 लाख 69 हजार रुपए मूल्य के पटाखे जब्त किए है। इसके अतिरिक्त थाना मोतीनगर पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में लगभग 19 लाख रुपए मूल्य के अवैध पटाखे जब्त किए गए। वही बीना पुलिस ने गांधी वार्ड में कार्रवाई कर 1 लाख 51 हजार रुपए मूल्य के पटाखे जब्त किए। इसी तरह शाहगढ़ में दो स्थानों पर कार्रवाई करते हुए लगभग 5 लाख रुपए मूल्य के पटाखे जब्त किए गए। इस प्रकार सागर पुलिस ने लगभग 29 लाख 71 हजार रुपए मूल्य के अवैध पटाखे जब्त किए। थाना नौगांव पुलिस ने अवैध रूप से पटाखों का परिवहन करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर 13 कार्टून में भरे पटाखे एवं तीन पहिया टैक्सी सहित लगभग 2 लाख 20 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की। वही थाना कोतवाली पुलिस ने बायपास रोड के पास रहवासी क्षेत्र में स्थित अवैध पटाखा गोदाम पर दबिश देकर 91 कार्टून एवं 10 बोरियों में रखे छोटे-बड़े पटाखे सहित लगभग 4 लाख 50 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की है। इस प्रकार छतरपुर पुलिस ने लगभग 6 लाख 70 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की है। मुरैना जिले में अवैध पटाखों के विरुद्ध संचालित विशेष कार्रवाई के तहत थाना कैलारस एवं जौरा पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर अवैध पटाखे एवं पटाखा निर्माण में प्रयुक्त सामग्री जब्त की। इसकी कुल कीमत लगभग 2 लाख 45 हजार रुपए है। थाना कैलारस पुलिस ने एक अन्य कार्रवाई में लगभग 24 हजार से अधिक मूल्य, थाना अंबाह पुलिस ने अवैध पटाखे बेचने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 15 हजार से अधिक मूल्य के तथा थाना सिविल लाइन पुलिस ने अवैध पटाखे बेचने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर 35 हजार से अधिक मूल्य के अवैध पटाखे एवं निर्माण सामग्री जब्त की।

आईएसबीटी से गैर संचालित बसें हटेंगी, फायर हाइड्रेंट भी लगाए जाएंगे

नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने आईएसबीटी का निरीक्षण किया

भोपाल। भोपाल नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने मंगलवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराज्यीय बस टर्मिनस (आईएसबीटी) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लंबे समय से परिसर में खड़ी गैर संचालित बसों को हटाने के लिए उनके संचालकों को नोटिस जारी करने और जुलाई 2026 से अब तक का किराया वसूलने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आईएसबीटी परिसर में बसों को केवल यात्रियों को बैठाने और उतारने की निर्धारित अवधि तक ही खड़ा रखा जाए। परिसर को पार्किंग स्थल या गैरेज नहीं बनने दिया जाए। निगम आयुक्त ने आईएसबीटी में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए फायर हाइड्रेंट स्थापित करने तथा विद्युत वायरिंग की जांच कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने परिसर में नियमित साफ-सफाई और व्यापक स्तर पर धुलाई सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त ने बीसीएलएल,पीएम ई-बसों और आईएसबीटी से संचालित अन्य बसों के संचालन की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि कुछ बसें लंबे समय से आईएसबीटी स्थित बस डिपो में खड़ी हैं और उनका संचालन नहीं हो रहा है। इस पर आयुक्त ने संबंधित बस संचालकों को नोटिस जारी कर बसें हटाने और जुलाई 2026 से वर्तमान तक का किराया वसूलने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से संचालित होने वाली बसों को भी यात्रियों के चढ़ने और उतरने की अवधि से अधिक समय तक परिसर में खड़ा नहीं रखा जाए। निगम आयुक्त ने आईएसबीटी परिसर में रखी साइकिलों और ई-बाइसिकल के संबंध में जानकारी लेते हुए कहा कि वे स्वयं इनका परीक्षण करेंगे। उन्होंने साइकिलों और ई-बाइसिकल का सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर संचालन कराने के लिए निविदा जारी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त ने वर्मा ट्रैवल्स के मैनेजर से भी बातचीत की और गैर संचालित बसों को हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी समय में आईएसबीटी से बसों का संचालन करने वाली ट्रैवल्स एजेंसियों के संचालकों के साथ बैठक की जाएगी,ताकि व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा सके।

मध्यप्रदेश के जीएसटी अधिकारी के ठिकानों पर लोकायुक्त का छापा



भोपाल,जबलपुर में आय से 264.64 फीसदी ज्यादा संपत्ति का खुलासा

भोपाल। लोकायुक्त पुलिस की टीम ने आय से अधिक संपत्ति की शिकायत पर मंगलवार सुबह राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) विभाग के वाणिज्यिक कर अधिकारी मनीष कुमार जैन के ठिकानों पर छापेमारी की। लोकायुक्त की अलग-अलग टीमें जबलपुर, भोपाल और सागर में एक साथ तलाशी ले रही हैं। फिलहाल कार्रवाई जारी है। लोकायुक्त के अनुसार, शुरुआती जांच में अधिकारी मनीष की कुल आय एक करोड़ तीन लाख 73 हजार 317 रुपये और व्यय तीन करोड़ 78 लाख 25 हजार 707 रुपये पाया गया है। यह व्यय उनकी ज्ञात आय का 364.64 फीसदी है। आय से अधिक व्यय 264.64 फीसदी है। लोकायुक्त एसपी अंजूलता पटले के अनुसार, विभाग को एसजीएसटी अधिकारी मनीष कुमार जैन के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत मिली थी। निरीक्षक बृज मोहन सिंह नरवरिया ने इसका सत्यापन किया। पहली नजर में ही शिकायत सही पाए जाने पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(बी) और 13(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। इसके बाद मंगलवार सुबह 6 बजे लोकायुक्त की अलग-अलग टीमों ने एसजीएसटी अधिकारी मनीष कुमार जैन के जबलपुर, भोपाल और सागर ठिकानों पर दबिश देकर छापामार कार्रवाई शुरू की। लोकायुक्त की जांच में अधिकारी, उनकी पत्नी निधि जैन, पिता कोमलचंद जैन और माता शशि जैन के नाम पर संपत्तियों की जानकारी मिली है। इनमें जबलपुर और भोपाल में जमीन, प्लॉट, बंगला और फ्लैट तथा सागर जिले के बंडा में प्लॉट पर बना मकान शामिल है। पत्नी के नाम पर मारुति स्विफ्ट कार और सुजुकी एक्सेस स्कूटर खरीदे जाने की जानकारी मिली है। अधिकारी और परिवार के सदस्यों के नाम पर बीमा पॉलिसियां भी हैं। जानकारी के अनुसार, मनीष कुमार जैन मूल रूप से सागर जिले के बंडा के रहने वाले हैं।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का छात्र युवा संवाद कार्यक्रम में ओरिएंटल कॉलेज पहुँचने पर विद्यार्थियों ने रोजगार सृजन के उपायों और मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग की परीक्षा दोबारा करवाने के लिए आभार व्यक्त किया।

वीआईपी सुरक्षा के बीच आईएएस के बंगले से चंदन का पेड़ हुआ चोरी

राजधानी भोपाल के वीआईपी इलाके चार इमली में चोरों ने लगाई सेंध



भोपाल। राजधानी भोपाल के वीआईपी इलाके चार इमली में मंगलवार को चंदन का पेड़ चोरी होने का मामला सामने आया है। चोर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विवेक पोरवाल के बंगले से सोमवार आधी रात चंदन का पेड़ काटकर ले गए। घटना मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाणा के आवास के पास हुई। बंगले में सुरक्षा गार्ड की मौजूदगी के बावजूद वारदात होने से वीआईपी क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, चोर बंगले में घुसे और चंदन का पेड़ काटकर वहां से निकल गए। घटना की भनक न तो बंगले में तैनात सुरक्षा गार्ड को लगी और न ही आसपास के आवासों में तैनात सुरक्षाकर्मियों को। मामला सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हलचल मच गई। हबीबगंज थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेन्द्र सिंह चौहान के अनुसार, पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके और उनके आने-जाने के रास्ते का पता लगाया जा सके। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज में तीन लोग चंदन का पेड़ ले जाते हुए दिखाई दिए हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। मामले की जांच में क्राइम ब्रांच की टीम भी जुटी हुई है। चार इमली भोपाल के प्रमुख वीआईपी इलाकों में शामिल है। यहां कई वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के आवास हैं। कुछ मंत्रियों के निवास भी इसी क्षेत्र में स्थित हैं। ऐसे संवेदनशील इलाके में सुरक्षा व्यवस्था के बीच चंदन का पेड़ काटकर ले जाने की घटना ने निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आईएएस अधिकारी विवेक पोरवाल का बंगला डीजीपी कैलाश मकवाणा के आवास के नजदीक स्थित है। इसके बावजूद चोरों के वारदात को अंजाम देकर निकल जाने से सुरक्षा इंतजामों को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद हबीबगंज थाना पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज की मदद से संदिग्धों की गतिविधियों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। क्राइम ब्रांच भी आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों को जल्द पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि वारदात में शामिल लोगों ने चंदन का पेड़ काटने के लिए किस रास्ते से प्रवेश किया और वे किस दिशा में गए।

आतिशबाजी का प्रदर्शन बिजली लाइनों के नीचे व आसपास न करें

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने दीपावली पर नागरिकों से की अपील



भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने भोपाल,नर्मदापुरम,ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों के विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे दीप पर्व पर विद्युत सुरक्षा एवं सावधानियां रखकर सुरक्षित दीपावली मनाएं। कंपनी ने सभी पटाखा व्यवसायियों से अपील की है कि वे बिजली लाइन के नीचे, ट्रांसफार्मर के नीचे या उससे सटाकर दुकान न लगाएं क्योंकि इससे दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है और छोटी सी असावधानी बड़ी दुर्घटना का रूप ले सकती है। कंपनी के नागरिकों ने अनुरोध किया कि वे पटाखे व आतिशबाजी का प्रदर्शन बिजली लाइनों के नीचे व आसपास न करें। कंपनी ने कहा है कि दीपावली पर्व पर प्रकाशीय साज-सज्जा हेतु उपभोक्ता अपने परिसर में विद्यमान बिजली कनेक्शन से स्वीकृत भार के अनुसार ही बिजली का उपयोग करें। बिना स्वीकृति के अतिरिक्त भार की वृद्धि एवं सीधे तार डालकर विद्युत अनधिकृत उपयोग नहीं करें। बिजली चोरी अथवा बिना स्वीकृति के संयोजित भार में वृद्धि अवैधानिक है और इसके लिए बिजली अधिनियम 2003 में जुर्माने का प्रावधान है। कंपनी ने मिठाई, मूर्तियां, साज-सज्जा, बर्तन व्यापारी,पटाखों की दुकाने एवं दीपावली पर्व से जुड़ी अन्य सामग्री के विक्रय हेतु लगाए जाने वाली अस्थाई दुकानों के प्रकाश व्यवस्था हेतु व्यापारी बंधुओं से अनुरोध किया है कि वे नियमानुसार अस्थाई कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें। कंपनी ने कहा है कि दीपावली पर्व पर अस्थाई दुकानों की स्थापना, बिजली ट्रांसफार्मरों एवं बिजली की लाइनों से सुरक्षित दूरी बनाकर ही स्थापित करें ताकि विद्युत दुर्घटनाओं से बचा जा सके। कंपनी ने मैदानी अमले और सतर्कता विंग को सघन जांच अभियान चलाकर बिजली चोरी मामले पकड़ने तथा भार वृद्धि अथवा स्वीकृत प्रयोजन के स्थान पर अन्य किसी प्रयोजन के लिए विद्युत उपभोग पकड़े जाने पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135, 138 के अंतर्गत कानूनी कार्यवाही करने के लिए कहा है।